R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 147 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 07 मई 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ेगी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने का अहम फैसला लिया है। कैबिनेट ने जजों की कुल संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने को मंजूरी दे दी है। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य न्याय व्यवस्था को मजबूत करना और मामलों के निपटारे में तेजी लाना है। वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में

92 हजार से अधिक मामले लंबित हैं, जिनका तेजी से निपटारा एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, अभी सुप्रीम कोर्ट में 33 न्यायाधीश और एक मुख्य न्यायाधीश कार्यरत हैं। आगामी संसद सत्र में इस संबंध में विधेयक पेश किया जाएगा। इसके पारित होने के बाद मुख्य न्यायाधीश सहित कुल न्यायाधीशों की संख्या 38 हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या समय-समय पर बढ़ाई जाती रही है। 1956 में यह संख्या मुख्य न्यायाधीश के अलावा 10 थी, जिसे 1960 में 13, फिर 17 किया गया। 1986 में यह 25 और 2009 में 30 हो गई। 2019 में इसे बढ़ाकर 33 किया गया था। अब छह साल बाद फिर इसमें वृद्धि की जा रही है। संविधान के अनुच्छेद 124(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या तय करने का अधिकार संसद को है। विशेषज्ञों का मानना है कि जजों की संख्या बढ़ाना जरूरी कदम है, लेकिन केवल इससे ही न्याय में देरी की समस्या पूरी तरह खत्म नहीं होगी।

10 मई के बाद लौटेगी तेज गर्मी

नई दिल्ली । देश के कई हिस्सों में इन दिनों मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आ रहा है। एनसीआर समेत कई क्षेत्रों में हल्की ठंडक और बादलों की मौजूदगी से लोगों को राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक यह सुहावना मौसम बना रहेगा, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं बिहार और

गांगेय पश्चिम बंगाल में गरज-चमक और तेज हवाओं का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। 6 और 7 मई को एनसीआर में मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहेगा। 6 मई को अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री दर्ज किया गया, वहीं 7 मई को हल्की बढ़ोतरी के साथ अधिकतम तापमान 36 डिग्री तक पहुंच सकता है। इस दौरान तेज हवाएं चलने और आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। 8 मई को भी मौसम सामान्य रहेगा और आसमान साफ रहने का अनुमान है। हालांकि 9 मई से मौसम में बदलाव शुरू होगा। तापमान तेजी से बढ़ने लगेगा और 38 डिग्री तक पहुंच सकता है। 10 और 11 मई को गर्मी और तेज हो जाएगी, जब अधिकतम तापमान 39 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 10 मई के बाद तापमान 38 से 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। फिलहाल लोगों को दो दिन राहत मिलेगी, लेकिन उसके बाद फिर से गर्मी का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में स्वास्थ्य का ध्यान रखने और गर्मी से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी गई है।

"हर छठा BJP सांसद 'वोट चोरी' से जीता" - राहुल गांधी का बड़ा हमला, चुनाव आयोग और भाजपा पर गंभीर आरोप

नई दिल्ली । बंगाल में चुनावी नतीजे सामने आने के बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर वोट चोरी का मुद्दा उठाकर भाजपा को घेरा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनावी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी का हर छठा सांसद वोट चोरी से जीता है। साथ ही राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर भी सवाल खड़े किए। राहुल गांधी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने लिखा, "वोट चोरी से कभी सीटें चुराई जाती हैं, कभी पूरी सरकार। लोकसभा के 240 BJP सांसदों में से, मोटे तौर पर हर छठा सांसद वोट चोरी से जीता है। पहचानना मुश्किल नहीं। क्या उन्हें BJP की भाषा में "घुसपैठिए" कहें?

वो खुद रिमोट कंट्रोल्ड हैं- राहुल गांधी

राहुल गांधी ने आगे कहा कि हरियाणा में भाजपा की पूरी सरकार ही घुसपैठिया है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा, "जो संस्थाएं अपनी जेब में रखते हैं, जो मतदाता सूचियों और चुनावी प्रक्रिया को तोड़-मरोड़ देते हैं, वो खुद रिमोट कंट्रोल्ड हैं। उन्हें असली डर सच्चाई का है। क्योंकि निष्पक्ष चुनाव हो जाएं, तो आज ये 140 के पास भी नहीं जीत सकते।" बता दें कि भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। भाजपा को 294 में से 207 सीटों पर जीत मिली है। इसके बाद टीएमसी और कांग्रेस ने भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाया है। राहुल गांधी पहले भी वोट चोरी का मुद्दा उठाकर भाजपा पर बड़े आरोप लगा चुके हैं। उन्होंने बीते साल इसे लेकर एक बड़ा आंदोलन भी छेड़ा था और कुछ दस्तावेज पेश कर लोकसभा और कुछ राज्यों के चुनाव में चुनाव आयोग पर धांधली का आरोप लगाया था। अब बंगाल में हार मिलने के बाद ममता बनर्जी ने भी ऐसा ही आरोप लगाया है।

ममता ने भी लगाया वोट चोरी का आरोप

ममता बनर्जी ने नतीजों को साजिश करके बनाया हुआ बताकर कहा कि उनकी पार्टी चुनाव आयोग से लड़ रही थी, भाजपा से नहीं। तृणमूल को 80 सीटों पर ही जीत मिली है। इसके बाद ममता बनर्जी ने पद छोड़ने से भी इनकार कर दिया है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "मैं पद क्यों छोड़ूं? हम हारे नहीं हैं। जनादेश लूटा गया है। इस्तीफे का सवाल ही कहां उठता है?" उन्होंने कहा, "मेरे इस्तीफे का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि हमारी हार जनता के जनादेश से नहीं बल्कि एक साजिश से हुई है। मैं हारी नहीं हूं, मैं लोक भवन नहीं जाऊंगी।" ममता बनर्जी ने मतगणना में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए दावा किया कि लगभग 100 सीट की लूट हुई है और उनकी पार्टी का मनोबल तोड़ने के लिए मतगणना की गति जानबूझकर धीमी की गई। उन्होंने कहा, "हम भाजपा से नहीं लड़ रहे थे; हम निर्वाचन आयोग से लड़ रहे थे, जो भाजपा के लिए काम कर रहा था। मैंने अपने पूरे राजनीतिक करियर में ऐसा चुनाव कभी नहीं देखा।" उन्होंने चुनाव आयोग पर अपना हमला तेज करते हुए कहा, "इतिहास में एक काला अध्याय लिख दिया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त खलनायक बन गए हैं।"

पंजाब ब्लास्ट पर फारूक अब्दुल्ला का बयान, सियासत गरमाई

चंडीगढ़। पंजाब के जालंधर और अमृतसर में एक ही दिन हुए दो धमाकों के बाद राज्य में सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। इस बीच जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के बयान ने सियासी बहस को और तेज कर दिया है। उन्होंने कहा, "हिन्दुस्तान में ब्लास्ट होते रहते हैं, इसमें नया क्या है," जिसके बाद राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। मंगलवार रात जालंधर में बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर मुख्यालय के बाहर करीब 8 बजे पहला विस्फोट हुआ। इसके तीन घंटे बाद अमृतसर के खासा स्थित सेना क्षेत्र के पास दूसरा धमाका हुआ। शुरुआती जांच में जालंधर विस्फोट को कम तीव्रता वाले देशी बम से जुड़ा माना जा रहा है। घटना में एक स्कूटर, ट्रैफिक सिग्नल और पास की दुकान को नुकसान पहुंचा। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव के मुताबिक, कई एजेंसियां मिलकर जांच कर रही हैं और पाकिस्तान की आईएसआई की भूमिका की भी आशंका जताई गई है। फिलहाल किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां हर एंगल से जांच में जुटी हैं। राहत की बात यह है कि दोनों घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ है।

विजय ने पेश किया सरकार बनाने का दावा

नई दिल्ली । तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। टीवीके प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का औपचारिक दावा पेश किया। 234 सदस्यीय विधानसभा में टीवीके 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, हालांकि बहुमत के आंकड़े 118 से अभी दूर है। विजय ने राज्यपाल को पत्र सौंपकर भरोसा दिलाया कि वे जल्द ही बहुमत साबित करेंगे। इससे पहले पार्टी विधायकों ने उन्हें सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना। इस मुलाकात को नई सरकार गठन की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। चुनाव के बाद चेन्नई में राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं। कांग्रेस ने टीवीके को सशर्त समर्थन दिया है, जबकि अन्य दल भी अपने विकल्प तलाश रहे हैं। आने वाले दिनों में राज्य की सियासत का रुख साफ होने की उम्मीद है।

ममता बनर्जी कब तक रहेंगी मुख्यमंत्री? पूर्व लोकसभा महासचिव ने संवैधानिक स्थिति की तस्वीर की साफ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा न देने के ममता बनर्जी के फैसले ने सियासी बहस को तेज कर दिया है। कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ममता बनर्जी ने साफ कहा कि उनके इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता। इस बयान के बाद संवैधानिक प्रक्रिया को लेकर कई सवाल खड़े हुए, जिन पर अब लोकसभा सचिवालय के पूर्व महासचिव पी.डी.टी. आचार्य ने स्थिति स्पष्ट की है। पी.डी.टी. आचार्य ने कहा कि सामान्यतः जब किसी राज्य में सत्तारूढ़ दल चुनाव हार जाता है, तो मुख्यमंत्री राज्यपाल को इस्तीफा सौंपते हैं। इसके बाद राज्यपाल उनसे अनुरोध करते हैं कि नए मुख्यमंत्री के शपथ लेने तक वे पद पर बने रहें। उन्होंने बताया कि यह एक स्थापित संवैधानिक परंपरा है, ताकि सत्ता का संक्रमण सुचारू रूप से हो सके।

इस्तीफा दें या नहीं, कब तक रहेंगी सीएम?

आचार्य के मुताबिक, भले ही ममता बनर्जी औपचारिक रूप से इस्तीफा दें या न दें, वे केवल तब तक ही मुख्यमंत्री पद पर बनी रह सकती हैं, जब तक नए मुख्यमंत्री की नियुक्ति और शपथ नहीं हो जाती। उन्होंने स्पष्ट किया कि "कार्यवाहक मुख्यमंत्री" जैसा कोई अलग संवैधानिक पद नहीं होता, बल्कि मौजूदा मुख्यमंत्री ही तब तक पद संभालते हैं, जब तक नई सरकार का गठन नहीं हो जाता। उन्होंने कहा कि जैसे ही नए मुख्यमंत्री को शपथ दिलाई जाती है, उसी क्षण वर्तमान मुख्यमंत्री का कार्यकाल स्वतः समाप्त हो जाता है। इसलिए मौजूदा स्थिति में ममता बनर्जी का पद पर बने रहना अस्थायी और संक्रमणकालीन व्यवस्था का हिस्सा है।

कब लागू हो सकता है राष्ट्रपति शासन?

आचार्य ने Article 356 का जिक्र करते हुए बताया कि राष्ट्रपति शासन केवल विशेष परिस्थितियों में लागू होता है, जैसे कि जब कोई सरकार बहुमत खो दे और मुख्यमंत्री इस्तीफा देने से इनकार कर दे, या सदन में अविश्वास प्रस्ताव पारित हो जाए। हालांकि, पश्चिम बंगाल के मौजूदा हालात में ऐसी स्थिति नहीं है। यहां स्पष्ट जनादेश के बाद नई सरकार के गठन की प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में राष्ट्रपति शासन की संभावना नहीं बनती। कुल मिलाकर, संवैधानिक विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्यमंत्री का पद कभी खाली नहीं रहता। इसलिए जब तक नए मुख्यमंत्री की नियुक्ति नहीं हो जाती, तब तक ममता बनर्जी पद पर बनी रहेंगी, लेकिन नई सरकार के शपथ लेते ही उनका कार्यकाल स्वतः समाप्त हो जाएगा।

ममता बनर्जी के इस्तीफे से इनकार पर अखिलेश यादव का समर्थन, बोले— "चुनाव लूट लिया तो इस्तीफा क्यों?"

लखनऊ। पश्चिम बंगाल चुनाव परिणामों के बाद सियासी माहौल लगातार गर्म होता जा रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हार के बावजूद इस्तीफा देने से साफ इनकार कर दिया है, जिस पर राजनीतिक दलों के बीच तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जहां एक ओर बीजेपी और उसके सहयोगी इस फैसले को असंवैधानिक बता रहे हैं, वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कन्नौज सांसद अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी का खुलकर समर्थन किया है। अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी के फैसले को सही ठहराते हुए कहा, "जब चुनाव ही लूट लिया गया हो, तो इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता।" उन्होंने यह भी बताया कि वह 7 मई को पश्चिम बंगाल जाएंगे और ममता बनर्जी से मुलाकात कर हालात पर चर्चा करेंगे। सपा प्रमुख ने कहा कि ममता बनर्जी अकेले बड़ी लड़ाई लड़ रही हैं और ऐसे में चुनाव आयोग को पारदर्शिता दिखाते हुए मतगणना का लाइव सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बंगाल के अनुभव से समाजवादी पार्टी सीख लेगी और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लिए नई रणनीति तैयार करेगी। महिला मुख्यमंत्री के मुद्दे पर भी अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी को महिलाओं के अधिकारों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, लेकिन यह पार्टी आरक्षण और वोट दोनों "लूटने" का काम कर रही है। वहीं, यूपी चुनाव 2027 को लेकर अखिलेश यादव ने बड़ा दावा किया। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि वह कई ज्योतिषियों और पंडितों से मिले हैं और उनके अनुसार 2027 में फिर समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी, जैसे 2012 में बनी थी। कुल मिलाकर, ममता बनर्जी के इस्तीफे से इनकार ने देश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है, जिसमें विपक्ष एकजुट नजर आ रहा है, जबकि सत्तापक्ष इसे संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ बता रहा है।

पंजाब में धमाकों पर सियासत तेज: सीएम भगवंत मान का बीजेपी पर बड़ा आरोप

चंडीगढ़। पंजाब में हालिया बम धमाकों के बाद सियासत तेज हो गई है। अमृतसर के खासा कैंप के पास हुए विस्फोट और जालंधर में हुए धमाके ने राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर बहस छेड़ दी है। इस बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह घटनाएं चुनावी तैयारी का हिस्सा हो सकती हैं। सीएम भगवंत मान ने आरोप लगाया कि बीजेपी का तरीका रहा है कि जहां उसे चुनाव लड़ना होता है, वहां पहले अशांति का माहौल बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे धमाके और दंगे कराकर लोगों को धर्म और जाति के नाम पर बांटने की कोशिश की जाती है, जिससे चुनाव में फायदा लिया जा सके। मान ने कहा कि पंजाब ने पहले ही कठिन दौर देखा है और अब राज्य के लोग इस तरह की राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी भरोसा दिलाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है और दोषियों को जल्द ही पकड़कर कड़ी सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर पंजाब की शांति भंग नहीं होने दी जाएगी और सरकार इस दिशा में पूरी सख्ती के साथ काम कर रही है।वहीं, कांग्रेस नेता और पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एक ही दिन में जालंधर और अमृतसर में हुए दो धमाकों को महज संयोग मानना सही नहीं होगा। बाजवा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इन घटनाओं के पीछे किसी साजिश की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। बाजवा ने प्रशासन की कथित ढिलाई पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जब राज्य में डर और असुरक्षा का माहौल बन रहा हो, तब सरकार की चुप्पी या धीमी कार्रवाई बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोषियों की जल्द पहचान कर उन्हें न्याय के कटघरे में लाना जरूरी है। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि पंजाब पहले से ही बेरोजगारी और अवसरों की कमी जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे में इस तरह की घटनाएं लोगों में असुरक्षा की भावना को और गहरा कर सकती हैं। उन्होंने सरकार से अपील की कि कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए जनता का भरोसा बहाल किया जाए।

'वोट चोरी' के आरोपों पर बीजेपी का पलटवार: मदन राठौड़ ने कांग्रेस को घेरा

जयपुर। पश्चिम बंगाल चुनाव परिणामों के बाद 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर सियासी माहौल गर्म हो गया है। इन आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी वास्तव में वोट चोरी करती, तो उसकी जीत केवल एक राज्य तक सीमित नहीं रहती, बल्कि केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी पार्टी जीत दर्ज कर लेती। राठौड़ ने कांग्रेस के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए इसे हार की बौखलाहट करार दिया।

कांग्रेस पर दोहरे मापदंड का आरोप

मदन राठौड़ ने कांग्रेस पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी अपनी सुविधा के अनुसार चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाती है। उन्होंने कहा कि केरल में जीत मिलने पर कांग्रेस लोकतंत्र और चुनाव आयोग की तारीफ करती है, लेकिन पश्चिम बंगाल में हार के बाद वही पार्टी चुनावी प्रक्रिया पर संदेह जताने लगती है। राठौड़ ने तीखे अंदाज में कहा, "अगर बीजेपी वोट चोरी करती, तो केरल में भी कर लेती। फिर कांग्रेस कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं रहती।" उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को अपनी हार का

ठीकरा दूसरों पर फोड़ने के बजाय आत्ममंथन करना चाहिए। उनके इस बयान से राजनीतिक बयानबाजी और तेज हो गई है।

निर्वाचन आयोग और लोकतंत्र पर भरोसा जरूरी

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर जोर देते हुए कहा कि भारत में चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष और स्वतंत्र तरीके से होते हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग की भूमिका का समर्थन करते हुए कहा कि यह संस्था किसी भी राजनीतिक दल के प्रभाव में नहीं होती, इसलिए उस पर आरोप लगाना लोकतांत्रिक व्यवस्था का अपमान है। राठौड़ ने तमिलनाडु का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां बीजेपी केवल एक सीट जीत पाई, लेकिन पार्टी ने जनादेश को पूरी तरह स्वीकार किया। उन्होंने कहा, "अगर वोट चोरी संभव होती, तो हम वहां भी ऐसा कर लेते, लेकिन यह पूरी तरह असंभव है।" उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी ने भी कई बार चुनावी हार का सामना किया है, लेकिन कभी संस्थाओं पर सवाल नहीं उठाए। पार्टी ने हमेशा जनता के फैसले को सर्वोपरि माना और उसी के अनुसार अपनी रणनीति बनाई। राठौड़ ने कांग्रेस को सलाह देते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता के जनादेश का सम्मान करना ही राजनीतिक परिपक्वता की निशानी है। अंत में उन्होंने प्रधानमंत्री के संदेश का जिक्र करते हुए कहा कि अब समय बदले की राजनीति छोड़कर विकास और जनसेवा पर ध्यान देने का है। बीजेपी ने साफ किया है कि कांग्रेस के आरोप केवल हताशा का परिणाम हैं, जबकि पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने में विश्वास रखती है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

नकारात्मकता नहीं, अब काम की राजनीति का दौर

पांच राज्यों—पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी—में हुए हालिया विधानसभा चुनावों के नतीजों ने भारतीय लोकतंत्र की दिशा और दशा, दोनों को स्पष्ट संकेत दे दिए हैं। इन परिणामों से यह साफ हो गया है कि अब मतदाता केवल नारों और आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से प्रभावित नहीं होता, बल्कि वह ठोस काम, स्थिरता और विश्वसनीय नेतृत्व को प्राथमिकता देता है। रिकॉर्ड मतदान प्रतिशत इस बात का प्रमाण है कि जनता अब अधिक जागरूक और जिम्मेदार हो चुकी है। वह अपने मताधिकार का उपयोग केवल भावनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि विकास और सुशासन के पैमाने पर कर रही है। यह लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है। अगर पश्चिम बंगाल की बात करें, तो यहां की राजनीति लंबे समय से टकराव और आरोपों के इर्द-गिर्द घूमती रही। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का आक्रामक रुख और संस्थाओं के साथ टकराव की राजनीति जनता को रास नहीं आई। परिणामस्वरूप, मतदाताओं ने बदलाव का संकेत दिया और सत्ता संतुलन बदल गया। वहीं असम और पुडुचेरी में भाजपा और उसके सहयोगियों की जीत ने यह दर्शाया कि "सुशासन" और "विकास" जैसे मुद्दे आज भी मतदाताओं के केंद्र में हैं। यहां जनता ने नकारात्मक एजेंडा के बजाय स्थिर सरकार और ठोस नीतियों को चुना। दक्षिण भारत में भी बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिला। तमिलनाडु में एम. के. स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार को जनता ने नकारते हुए अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके को मौका दिया। यह बदलाव दर्शाता है कि मतदाता अब पारंपरिक राजनीति से हटकर नए विकल्पों को भी अपनाने के लिए तैयार है। इसी तरह केरल में पिनाराई विजयन की सरकार के खिलाफ सत्ता-विरोधी लहर दिखी, जहां कांग्रेस-नेतृत्व वाले गठबंधन ने जनता के असंतोष को सही ढंग से भुनाया। इन सभी परिणामों का सार यही है कि देश में अब "परफॉर्मेंस पॉलिटिक्स" का दौर मजबूत हो रहा है। जनता अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं है, बल्कि वह काम का हिसाब मांग रही है। राजनीतिक दलों के लिए यह स्पष्ट संदेश है कि नकारात्मकता नहीं, बल्कि विकास और जनसेवा ही चुनाव जीतने का असली आधार है।

बीजेपी की विधानसभा चुनाव में जीत

बंगाल विजयः संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक, अद्भुत, अविस्मरणीय एवं करिश्माई जीत के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की बहुत बड़ी भूमिका रही है। निश्चित तौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं। लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी की मजबूत चुनौती के सामने भाजपा की जीत के लिए संघ लंबे समय से मेहनत कर रही थी और उसकी वह मेहनत ही जीत का सशक्त माध्यम बनी है। पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित कीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत 'हिंदू वोट बैंक' तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर 'बंग बचाओ' इस थीम पर 'मतदाता जागरूकता अभियान' चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक 'मील का पत्थर' और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती।

कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है। जहां एक ओर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आक्रामक चुनाव प्रचार केंद्र में रहा, वहीं दूसरी ओर संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अपेक्षाकृत शांत रहकर 'निःशब्द विप्लव' या 'मूक क्रांति' को अंजाम देते हुए जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान दिया। बंगाल की अस्मिता, विकास और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को आधार बनाकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला, युवा, प्रबुद्ध वर्ग, किसान, श्रमिक और अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तक अलग-अलग तरीकों से पहुंचने की कोशिश की गई। निश्चित तौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति ने वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल चुनावी रणनीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया। यह कार्य किसी प्रचार की तरह नहीं, बल्कि एक शांत सामाजिक प्रक्रिया एवं क्रांति की तरह हुआ, जिसने धीरे-धीरे जनमानस को प्रभावित किया। यही कारण है कि जब चुनाव का समय आया, तो एक पहले से तैयार मानसिकता भाजपा के पक्ष में खड़ी दिखाई दी। इस पूरे परिदृश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जुड़ाव स्थापित हुआ। इस प्रक्रिया में हिंदुत्व को किसी बाहरी विचारधारा के रूप में नहीं, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा के एक स्वाभाविक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया गया। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि बंगाली अस्मिता और हिंदुत्व परस्पर विरोधी हैं, लेकिन इस चुनाव में यह धारणा काफी हद तक टूटती हुई दिखाई दी। जय श्रीराम के साथ जय मां काली और जय मां दुर्गा जैसे नारों का समन्वय केवल राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संदेश था, जिसने यह स्थापित किया कि क्षेत्रीय पहचान और व्यापक सांस्कृतिक विचारधारा के बीच कोई टकराव नहीं है। इस समन्वय ने मतदाताओं के भीतर एक नई प्रकार की आत्मजागरूकता उत्पन्न की, जहां वे केवल विकास या योजनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के आधार पर भी निर्णय लेने लगे। चुनाव के दौरान जिस प्रकार से 'अस्तित्व' एवं 'अस्मिता' का विमर्श उभरा, उसने इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा दी। संघ और भाजपा ने इसे केवल एक चुनावी मुकाबले के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि एक वैचारिक संघर्ष के रूप में स्थापित किया, जिसमें पहचान और सम्मान के प्रश्न प्रमुख हो गए। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों ने इस विमर्श को और तीव्र किया, जिससे मतदाताओं के बीच एक स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला। इस पूरे प्रक्रिया में संघ ने जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित कर इस विचार को सामाजिक स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठनात्मक दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार मजबूत जमीनी ढांचा चुनावी सफलता का आधार बन सकता है। बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय, गुटबाजी पर नियंत्रण और नए-पुराने कार्यकर्ताओं का एकीकरण-इन सभी पहलुओं में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

निश्चित तौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति ने वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल चुनावी रणनीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया...

मंथन
डॉ. नीलू तिवारी

पैरानॉयड डिसऑर्डर : खामोश संकेत और बड़ा खतरा

कभी-कभी एक खबर सिर्फ सूचना नहीं होती, बल्कि समाज के भीतर छिपी किसी गहरी दरार को उजागर कर देती है। उत्तर प्रदेश के कानपुर में घटी वह घटना जहां एक पिता ने अपनी ही जुड़वा बेटियों की हत्या कर दी, ऐसी ही एक सच्चाई को सामने लाती है। जानकारी के अनुसार वह अपनी पत्नी पर शक करता था, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह केवल "शक" था या फिर एक ऐसी मानसिक अवस्था जिसे हमने समय रहते पहचाना ही नहीं? हम आज भी भावनात्मक असुरक्षा और मानसिक बीमारी के बीच के अंतर को समझने में चूक रहे हैं। पैरानॉयड डिसऑर्डर केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक ऐसी स्थिति है, जहां व्यक्ति का मन धीरे-धीरे अपने ही बनाए संदेहों की कैद में बंद हो जाता है। उसे हर चेहरा संदिग्ध लगता है, हर व्यवहार में धोखा दिखाई देता है और हर रिश्ता असुरक्षित प्रतीत होता है। यह केवल सोच नहीं बल्कि एक विकृत यथार्थ है, जिसमें व्यक्ति जीने लगता है। ऐसे में उसके निर्णय तर्क से नहीं, बल्कि डर और भ्रम से संचालित होते हैं और यही स्थिति कभी-कभी त्रासदी का रूप ले लेती है। पैरानॉयड डिसऑर्डर की एक बड़ी समस्या यह है कि व्यक्ति खुद को बीमार नहीं मानता। उसे लगता है कि उसकी सोच सही है और बाकी लोग गलत हैं। यही कारण है कि वह इलाज से बचता है और परिवार भी कई बार इसे "जिद" या "स्वभाव" समझकर नजरअंदाज कर देता है। धीरे-धीरे यह स्थिति और गंभीर हो जाती है। पुरुषों में यह विकार अक्सर अधिकार और नियंत्रण के रूप में सामने आता है। पत्नी की स्वतंत्रता, उसकी बातचीत, उसके संबंध हर चीज पर संदेह करना, धीरे-धीरे एक आदत नहीं बल्कि मानसिक जकड़न बन जाता है। समस्या तब और गहरी हो जाती है जब समाज इस व्यवहार को "सामान्य" या "पुरुष स्वभाव" कहकर स्वीकार कर लेता है। यही सामाजिक स्वीकृति इस विकार को पहचानने में सबसे बड़ी बाधा बनती है। उत्तर प्रदेश की घटना इसी अनदेखी का चरम परिणाम है, जहां शक ने संवेदना को निगल लिया।

महिलाओं के संदर्भ में भी यह समस्या कम गंभीर नहीं है। कई बार महिलाएं भी पैरानॉयड सोच का शिकार हो जाती हैं, जहां वे अपने पति या परिवार के अन्य सदस्यों पर बिना कारण संदेह करने लगती हैं। पोस्टपार्टम साइकोसिस जैसी अवस्था में कुछ महिलाओं में पैरानॉयड विचार विकसित हो सकते हैं। उन्हें लग सकता है कि कोई उनके बच्चे को नुकसान पहुंचाएगा या परिवार उनके खिलाफ साजिश कर रहा है। इस मानसिक भ्रम के कारण वे असामान्य और कभी-कभी खतरनाक व्यवहार कर सकती हैं। देश और दुनिया में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां मानसिक असंतुलन के कारण मां ने अपने ही बच्चे को नुकसान पहुँचाया। हालिया रिपोर्ट बताती है कि शहरी भारत में पुरुषों द्वारा मानसिक हेल्पलाइन पर कॉल करने की संख्या में 126% की वृद्धि हुई है, लेकिन फिर भी कुल मदद लेने वालों में उनकी हिस्सेदारी कम है। यानी समस्या मौजूद है पर उसे स्वीकार करने में झिझक अब भी बनी हुई है। महिलाओं की स्थिति भी अलग नहीं है, बल्कि कई मामलों में और जटिल है। आंकड़े बताते हैं कि मानसिक विकारों विशेषकर डिप्रेशन और एंग्जायटी की दर महिलाओं में पुरुषों से अधिक पाई जाती है। यहां इस लेख की सबसे बड़ी प्रासंगिकता सामने आती है। हम आज भी शक और मानसिक बीमारी के बीच का फर्क समझने में चूक रहे हैं। हम "शक" को एक सामान्य भावना मानकर नजरअंदाज कर देते हैं जबकि कई बार यह एक गंभीर मानसिक विकार का संकेत होता है। यही अनदेखी धीरे-धीरे समस्या को गहरा करती है और अंततः किसी बड़ी त्रासदी का कारण बनती है। लोग आज भी मनोचिकित्सक के पास जाने से डरते हैं। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में तो मानसिक बीमारी को कई बार अंधविश्वास या "किस्मत" से जोड़ दिया जाता है। यही सोच लोगों को सही इलाज से दूर रखती है। इसके साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी भी एक चुनौती है। अगर हम समय रहते मानसिक समस्याओं को नहीं समझेंगे तो इसके परिणाम बेहद खतरनाक हो सकते हैं। अंततः यह समझना जरूरी है कि जब मन बीमार होता है, तो उसका असर केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, वह पूरे समाज को प्रभावित करता है। आज जरूरत इस बात की है कि हम अपने आसपास के लोगों के मन को समझने की कोशिश करें। उनके व्यवहार के पीछे छिपे संकेतों को पहचानें और सबसे बढ़कर एक ऐसा समाज बनाएं, जहां विश्वास, संवाद और मानसिक स्वास्थ्य को बराबर महत्व मिले। दरअसल, जब मन संतुलित होता है, तो रिश्ते सुरक्षित रहते हैं और जब मन संदेह में डूब जाता है तो सबसे मजबूत रिश्ते भी टूट जाते हैं।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

क्या आप पूर्ण रूप से सुखी है

संकलित
दर्शन

वर्ष 1920 में योगानंद जी जब अमेरिका गए थे, तो उस समय अमेरिका पूरे उत्साह में था। उस समय वह पूंजीवाद के अपने दर्शन को लेकर तेजी से प्रगति कर रहा था। योगानंद जी अनेक सफल व्यवसायियों और औद्योगिक संस्थानों के प्रमुखों इत्यादि से मिले और उन सबने यह स्वीकार किया कि योगानंद जी उनके मध्य उस वस्तु को लेकर आए थे, जिसकी उनके जीवन में कमी थी। मैं आपको एक छोटा-सा मनोरंजक वृत्तांत सुनाता हूं : जब वे न्यू यार्क नगर में व्याख्यान दे रहे थे तो एक व्यक्ति ने उनसे भेंट करने की अनुमति मांगी। वह व्यक्ति उनके होटल के कमरे में आया और इससे पूर्व कि योगानंद जी कुछ कहते, उसने एक चुनौतीपूर्ण ढंग से कहा, 'मैं अत्यधिक धनवान हूं, मैं पूर्ण रूप से स्वस्थ हूं,' जिसका अर्थ यह था कि 'आप यहां किसलिए आए हैं?' योगानंद जी ने उसे तुरंत उत्तर दिया, 'हां, किंतु क्या आप पूर्ण रूप से सुखी हैं?' बाद में उस व्यक्ति ने कहा, 'मैं निरुत्तर हो गया था!' उस व्यक्ति ने अपना शेष जीवन एक क्रियायोगी के रूप में व्यतीत किया। बाह्य रूप से वह करोड़पति उद्योगपति था, परंतु अंदर से वह एक प्रबुद्ध योगी था। यह कह पाना और एक अद्भुत अनुभूति है कि ईश्वर की इच्छाशक्ति से सशक्त हुई मेरी इच्छाशक्ति मेरे लक्ष्य को पूरा करेगी। यदि आप आलसवश सब कुछ दिव्य शक्ति पर छोड़ देते हैं और ईश्वर द्वारा आपको दी गई अपनी इच्छाशक्ति की अवहेलना करते हैं तो परिणाम प्राप्त नहीं होंगे।

दूसरों की जरूरतें पूरी करना ही दान है

संकलित
प्रेरणा

महाभारत का एक प्रसंग है। एक दिन युधिष्ठिर ने वेद व्यास से पूछा कि दान बड़ा है या पूजा-पाठ और तपस्या? व्यास जी ने युधिष्ठिर को अपनी बात समझाने के लिए एक कथा सुनानी शुरू की। व्यास जी ने कहा कि एक मुद्गल नाम के महर्षि थे, वे भिक्षा मांगकर जीवन चलाते थे। भिक्षा में उन्हें आटा, खाने-पीने की चीजें, हवन सामग्री मिल जाती थीं। दान में मिली चीजों से ही वे खाना बनाते और पूजा-पाठ करते थे। कभी-कभी ऐसे दिन भी आते थे, जब उन्हें भिक्षा नहीं मिल पाती थी। अधिकतर अमावस्या और पूर्णिमा पर ऐसा हुआ करता था। इन दोनों तिथियों पर ऋषि मुद्गल से मिलने दुर्वासा ऋषि आया करते थे। दुर्वासा मुनि को खाना खिलाने के बाद उनके लिए कुछ बचता नहीं था तो उन्हें भूखे रहना पड़ता था। एक दिन फिर ऐसा ही हुआ तो दुर्वासा मुनि ने मुद्गल ऋषि से पूछा कि आप मुझे खाना देकर खुद भूखे रहते हैं, लेकिन मैंने कभी भी आपके चेहरे पर भूख के लक्षण नहीं देखे हैं, क्या आपको भूख नहीं लगती है? मुद्गलजी ने कहा कि मेरे लिए दान का महत्व सबसे ज्यादा है। अन्न दान तो सर्वश्रेष्ठ होता है, जब आपकी भूख शांति होती है, तब मैं भी तृप्त हो जाता हूं। मैं दान पुण्य कमाने के लिए नहीं करता हैं, मैं सिर्फ दूसरों की मदद करना चाहता हूं। व्यास जी ने युधिष्ठिर को आगे समझाया कि तपस्या स्वयं के लिए की जाती है, लेकिन दान हमेशा दूसरों की भलाई के लिए किया जाता है। इसलिए दूसरों की आवश्यकता की पूर्ति करना ही दान है। इसलिए दान तप से भी श्रेष्ठ है।

अंतर्मन

आज की पाती

खतरनाक गर्मी का बढ़ता संकट

दुनिया के शहरों पर एक ऐसा संकट तेजी से गहराता जा रहा है, जो दिखाई कम देता है, लेकिन असर सबसे ज्यादा करता है- खतरनाक गर्मी। विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक शहरी इलाकों में अत्यधिक गर्मी से प्रभावित गरीबों की संख्या में लगभग 700 फीसदी तक की वृद्धि हो सकती है। यह आंकड़ा सिर्फ एक चेतावनी नहीं, बल्कि आने वाले शहरी भविष्य की भयावह तस्वीर है, खासकर ग्लोबल साउथ, यानी एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमरीका के तेजी से बढ़ते शहरों के लिए। गर्मी का यह संकट सीधे तौर पर क्लाइमेट चेंज और अनियोजित शहरीकरण से जुड़ा है। शहरों में कंक्रीट, डामर और धातु की अधिकता प्राकृतिक हरियाली को खत्म कर देती है। इस समस्या का समाधान खोजना होगा।

- प्रदीप चन्द्राकर, जगदलपुर

ट्रेंड

हम यूएई के साथ

यूएई पर हुए हमलों की हम कड़ी निंदा करते हैं, जिनमें तीन भारतीय नागरिक घायल हुए हैं। नागरिकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना अस्वीकार्य है। भारत यूएई के साथ पूरी तरह एकजुट है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जनादेश की चोरी

कांग्रेस के कुछ लोग और अन्य टीएमसी की हार पर खुशी मना रहे हैं। उन्हें यह बात समझनी चाहिए - असम और बंगाल के जनादेश की चोरी भाजपा द्वारा भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने के अपने अभियान में उठाया गया एक बड़ा कदम है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

नारी शक्ति का अपमान

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने वाले नेताओं, विरोध करने वाली पार्टियों को आज उनकी औकात दिखा दी गई है। डीएमके के स्टालिन हों, ममता बनर्जी हों या अरविंद केजरीवाल। नारी शक्ति का अपमान करने वाला हर व्यक्ति आज जवाब देने में असमर्थ है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

लोकतंत्र विरोधी ताकतें

आज मैंने पंजाब के विधायकों से बातचीत की। आम आदमी पार्टी राष्ट्रहित में लोकतंत्र विरोधी ताकतों को हराने के लिए प्रतिबद्ध है। पंजाब की जनता आगामी चुनावों में भाजपा के अश्वमेध घोड़े को रोकेगी और लोकतंत्र की विजय सुनिश्चित करेगी।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

महिला संरा प्रमुख चुनी जाती है तो 'बेहद खुशी' होगी : चीन

चीन ने संयुक्त राष्ट्र के अगले महासचिव के लिए किसी महिला की नियुक्ति का यह कहते हुए खुलकर समर्थन किया कि अगर इस बार कोई महिला इस शीर्ष पद पर आसीन होती है तो उसे ' 'बेहद खुशी' होगी।

संयुक्त राष्ट्र के 80 साल के इतिहास में अभी तक कोई महिला इस पद पर नहीं पहुंच सकी है। संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत फू कोंग ने सोमवार को कहा, 'हम किसी महिला को महासचिव के रूप में देखकर बहुत खुश होंगे। 80 साल हो गए हैं-अगर इस बार कोई महिला महासचिव बन सकती है तो चीन इसका स्वागत करेगा।' संयुक्त राष्ट्र के अगले महासचिव के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस पद की दौड़ में दो महिलाओं समेत अभी चार उम्मीदवार हैं। पहली महिला संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बेशेलेट और दूसरी महिला संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की महासचिव रेबेका ग्रिन्सपान हैं। पुरुष उम्मीदवारों में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रोसी और सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी सॉल शामिल हैं। पिछले महीने चारों उम्मीदवारों ने संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों और नागरिक संगठनों के सामने अपना-अपना दृष्टिकोण रखा और यह भी बताया कि वे इस शीर्ष पद के लिए सबसे उपयुक्त क्यों हैं।

ऑफ बीट

क्या परीक्षा प्रणाली बच्चों को कौशल सीखने से रोक रही ?

दुनिया भर में, खासकर अफ्रीका में, शिक्षा प्रणालियां ऐसे पाठ्यक्रमों की ओर बढ़ रही हैं जो रटने की बजाय आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान जैसे कौशल विकसित करने पर जोर देते हैं। योग्यता-आधारित यानी कॉम्पीटेन्सी बेस्ड पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को केंद्र में रखना है। इनका लक्ष्य छात्रों को एक तेजी से बदलती दुनिया के लिए तैयार करना है, जहां सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि व्यक्ति कितनी जल्दी खुद को ढाल सकता है, सोच सकता है और जटिल समस्याओं को हल कर सकता है। पारंपरिक पाठ्यक्रमों के विपरीत, जो अक्सर तथ्यों को याद करने और विषयवस्तु को पूरा करने पर जोर देते हैं, ये नए पाठ्यक्रम इस बात पर केंद्रित हैं कि छात्र जो सीखते हैं उसे वास्तविक जीवन में कैसे लागू करते हैं। उदाहरण के लिए, केवल वैज्ञानिक परिभाषा याद करने के बजाय छात्रों से यह पूछा जा सकता है कि वे किसी अवधारणा का उपयोग करके यह समझाएं कि बीमारियां कैसे फैलती हैं। हालांकि इस बदलाव पर चर्चा में अक्सर शिक्षकों की तैयारी, संसाधनों की कमी और पाठ्यक्रम के सही क्रियान्वयन जैसी चुनौतियों पर ध्यान दिया जाता है लेकिन ये सभी कारण पूरी तस्वीर नहीं बताते।

राजसमंद में ग्राम रथ से योजनाओं का प्रचार, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गिनाईं उपलब्धियां

जयपुर/राजसमंद। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजसमंद जिले के नाथद्वारा विधानसभा क्षेत्र के गुँजोल गांव में ग्राम रथ अभियान के तहत राज्य सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार किया। उन्होंने कहा कि ग्राम रथ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है, जिससे आमजन को योजनाओं की जानकारी और लाभ दोनों मिल रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे। इस मौके पर सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़, जिला कलेक्टर अरुण कुमार हसीजा सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। दिया कुमारी ने ग्राम रथ अभियान को जन-जागरूकता का मजबूत जरिया बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से लोगों को योजनाओं की सरल और स्पष्ट जानकारी मिल रही है। कार्यक्रम में उन्होंने आमजन को ब्रोशर और जानकारी सामग्री वितरित की तथा अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने किसानों के कल्याण पर जोर देते हुए कहा कि राज्य सरकार कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं लागू की जा रही हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दे रही है। ग्राम रथ अभियान सरकार और जनता के बीच एक मजबूत सेतु का काम कर रहा है, जिससे विकास की योजनाएं हर घर तक पहुंच रही हैं।

पेस्टिसाइड रेजिड्यू लेबोरेट्री को मिली एनएबीएल मान्यता, किसानों व आमजन को होगा सीधा लाभ

जयपुर/जोबनेर (रॉयल पत्रिका)। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की अधीनस्थ इकाई राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान (रारी), दुर्गापुरा स्थित पेस्टिसाइड रेजिड्यू लेबोरेट्री को राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) की प्रतिष्ठित मान्यता प्राप्त हुई है। यह मान्यता वर्ष 2030 तक प्रभावी रहेगी। इस उपलब्धि से न केवल संस्थान की वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है, बल्कि प्रदेश के किसानों, कृषि उद्यमियों एवं आमजन को भी इसका प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। हाल ही में एनएबीएल की विशेषज्ञ टीम द्वारा प्रयोगशाला का विस्तृत निरीक्षण एवं तकनीकी मूल्यांकन किया गया। इस प्रक्रिया में प्रयोगशाला की कार्यप्रणाली, उपकरणों की गुणवत्ता, परीक्षण विधियों, मानव संसाधन की दक्षता तथा गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली का सूक्ष्म परीक्षण किया गया। मूल्यांकन के दौरान यह पाया गया कि प्रयोगशाला अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कार्य कर रही है तथा परीक्षण परिणामों की सटीकता एवं विश्वसनीयता उच्च स्तर की है। इसी आधार पर भारतीय गुणवत्ता परिषद के अंतर्गत कार्यरत एनएबीएल द्वारा यह मान्यता प्रदान की गई। कुलगुरु प्रो. डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान ने इसे किसानों के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि अब जैविक उत्पादों के प्रमाणीकरण में प्रदेश के किसानों को स्थानीय स्तर पर सुविधा मिलेगी। इस उपलब्धि के लिए कुलगुरु डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान ने सभी वैज्ञानिकों को बधाई दी। रारी निदेशक डॉ. सुरेंद्र सिंह मनोहर ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह मान्यता संस्थान के वैज्ञानिकों—डॉ. बी.एल. जाखड़, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. बी.एन. शर्मा एवं हंसा जाट—तथा पूरी टीम की निरंतर मेहनत, समर्पण और गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला प्रदेश में कृषि क्षेत्र के अंतर्गत एनएबीएल से मान्यता प्राप्त करने वाली अग्रणी प्रयोगशालाओं में शामिल है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इससे पूर्व वर्ष 2015 में भी इस प्रयोगशाला को एनएबीएल की मान्यता प्राप्त हो चुकी है, जिससे इसकी गुणवत्ता और विश्वसनीयता का निरंतर प्रमाण मिलता रहा है। डॉ. मनोहर ने आगे बताया कि पेस्टिसाइड रेजिड्यू लेबोरेट्री में विभिन्न कृषि उत्पादों—जैसे फल, सब्जियां, अनाज एवं अन्य खाद्य पदार्थों—में कीटनाशक अवशेषों की जांच की जाती है। यह जांच उपभोक्ताओं की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि अत्यधिक कीटनाशक अवशेष स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। एनएबीएल मान्यता मिलने से अब इन जांचों की विश्वसनीयता और अधिक बढ़ेगी तथा रिपोर्ट्स को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्यता प्राप्त होगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस मान्यता से प्रदेश के किसानों को विशेष लाभ मिलेगा। किसान अपने कृषि उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रयोगशाला में परीक्षण करवा सकेंगे, जिससे उन्हें बाजार में बेहतर मूल्य प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। साथ ही, कृषि उत्पादों के निर्यात में भी यह मान्यता महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं की रिपोर्ट को अधिक प्राथमिकता दी जाती है। इस अवसर पर नेटवर्क कॉर्डिनेटर डॉ. वंदना त्रिपाठी ने भी पूरा सहयोग किया तथा कहा कि भविष्य में इस लैब को और अधिक आधुनिक उपकरणों एवं तकनीकों से लैस करने के लिए संसाधन उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। प्रयोगशाला के विशेषज्ञों के अनुसार, एनएबीएल मान्यता प्राप्त होने से परीक्षण प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, गुणवत्ता नियंत्रण एवं तकनीकी दक्षता का स्तर और ऊंचा होता है। इससे न केवल किसानों और उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ता है, बल्कि संस्थान की साख भी सुदृढ़ होती है। साथ ही, यह उपलब्धि प्रदेश में सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे टीम वर्क का परिणाम बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी प्रयोगशाला इसी प्रकार उच्च गुणवत्ता मानकों का पालन करते हुए किसानों एवं समाज की सेवा करती रहेगी।

'विकसित राजस्थान—2047' के तहत बनेगा नदी बेसिन मास्टर प्लान, जल आत्मनिर्भरता पर फोकस

जयपुर । राजस्थान में जल प्रबंधन को मजबूत और भविष्य के अनुरूप बनाने के लिए राज्य सरकार ने बड़े स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शासन सचिवालय के चिंतन कक्ष में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में 'विकसित राजस्थान—2047' के लक्ष्य के अनुरूप नदी बेसिन मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जल संसाधन प्रबंधन, संरक्षण और योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए तकनीकी रूप से मजबूत योजना बनाई जाए और उसकी सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने इंदिरा गांधी नहर परियोजना के मरम्मत कार्यों में तेजी लाने और जल उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही राज्य को जल आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस और दीर्घकालिक कदम उठाने की बात कही। बैठक में घग्गर नदी के मानसून काल में बाढ़ और जल उपलब्धता के अध्ययन के लिए हनुमानगढ़ के मुख्य अभियंता को रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा सभी बेसिन स्तर के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों के नदी बेसिनों का अद्यतन डेटा तैयार कर 'विकसित राजस्थान—2047' को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान शीघ्र प्रस्तुत करने को कहा गया। जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने राज्य के नदी बेसिनों की स्थिति पर प्रस्तुति दी, जबकि मुख्य अभियंता राजपाल सिंह ने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। बैठक में सतही जल की उपलब्धता, रावी-ब्यास से मिलने वाले जल, भूजल की स्थिति, सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक मांग जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान भाखड़ा नहर, गंग नहर और सिद्धमुख-नोहर परियोजना सहित प्रमुख योजनाओं की समीक्षा भी की गई। भूजल की गिरती गुणवत्ता और बढ़ती पेयजल मांग को बड़ी चुनौती के रूप में चिन्हित किया गया। हनुमानगढ़ के मुख्य अभियंता प्रदीप रूस्तगी ने घग्गर नदी बेसिन पर आधारित डेटा प्रेजेंटेशन में जल की कमी, भूजल दोहन, जलभराव और अधिक पानी वाली फसलों जैसी समस्याओं को रेखांकित किया। उन्होंने माइक्रो इरिगेशन, वर्षा जल संचयन, कैनाल नेटवर्क सुधार और स्काडा तकनीक के उपयोग से जल संरक्षण को बढ़ावा देने के सुझाव दिए। बैठक में विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और सभी जिलों के प्रतिनिधि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

नवजातों के लिए ऑक्सीजन उपयोग पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण, देशभर में लागू होगा मॉड्यूल

जयपुर। नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल और जीवनरक्षा को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने "नवजात शिशुओं के लिए ऑक्सीजन सपोर्ट सिस्टम" पर आधारित एक विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किया है, जिसे जल्द ही पूरे देश में लागू किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य संस्थान-आधारित नवजात देखभाल सेवाओं (FBNC) को मजबूत करना और ऑक्सीजन के सुरक्षित व तर्कसंगत उपयोग को सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में जयपुर के जेके लोन अस्पताल, एसएमएस मेडिकल कॉलेज में 4 और 5 मई को दो दिवसीय राज्य स्तरीय राष्ट्रीय पायलट प्रशिक्षण सह-प्रशिक्षक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों और मेडिकल कॉलेजों से बाल रोग विशेषज्ञों और नर्सिंग स्टाफ ने भाग लिया। प्रशिक्षण में ऑक्सीजन थेरेपी के सही उपयोग, पल्स ऑक्सीमेट्री से मॉनिटरिंग और सी-पेप (CPAP) तकनीक की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. जोगाराम ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों की क्षमता को साक्ष्य-आधारित ऑक्सीजन थेरेपी प्रथाओं में मजबूत करना है। हाइब्रिड लर्निंग पद्धति पर आधारित इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों से फीडबैक लेकर मॉड्यूल को और बेहतर बनाया जा रहा है, ताकि इसे राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। परियोजना निदेशक (शिशु स्वास्थ्य) डॉ. प्रदीप चौधरी के अनुसार, राज्य के 71 स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट्स में ऑक्सीजन सपोर्ट की सुविधा उपलब्ध है, जहां करीब 40 प्रतिशत नवजातों को वेंटिलेटर और CPAP के माध्यम से ऑक्सीजन दी जाती है। इस अनुभव के आधार पर तैयार गाइडलाइंस नवजात देखभाल की गुणवत्ता में सुधार लाएंगी। कार्यक्रम में देशभर के विशेषज्ञों ने तकनीकी सत्रों के जरिए प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। यह पहल नवजात शिशुओं की मृत्यु दर को कम करने और स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

राजस्थान यूथ कांग्रेस चुनाव में रिकॉर्ड वोटिंग, प्रदेश अध्यक्ष पद पर चौधरी बनाम चोपड़ा की कड़ी टक्कर

जयपुर। राजस्थान में यूथ कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव इस बार काफी चर्चा में हैं। प्रदेशभर में युवाओं के बीच चुनाव को लेकर अच्छा खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। यही वजह है कि वोटिंग लगातार रिकॉर्ड की तरफ बढ़ रही है। अब तक 15 लाख से ज्यादा वोट डाले जा चुके हैं, जबकि मतदान प्रक्रिया अभी 14 दिन और चलेगी। ऐसे में माना जा रहा है कि इस बार कुल वोटिंग का आंकड़ा 30 लाख के करीब पहुंच सकता है।

6 पदों के लिए हो रही वोटिंग

यूथ कांग्रेस चुनाव में इस बार 6 अलग-अलग पदों के लिए मतदान कराया जा रहा है। इनमें प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, जिलाध्यक्ष, जिला महासचिव, विधानसभा अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष के पद शामिल हैं। खास बात यह है कि पहली बार ब्लॉक अध्यक्ष का पद भी बनाया गया है, जिससे ग्रामीण स्तर तक युवाओं की भागीदारी बढ़ी है। वोट डालने के लिए सदस्यता लेना जरूरी है। सदस्यता फीस इस बार 75 रुपये रखी गई है। पिछले चुनाव में यह फीस 50 रुपये थी, जिसे अब 25 रुपये बढ़ाया गया है। इसके बावजूद युवाओं में सदस्यता और वोटिंग को लेकर जबरदस्त उत्साह बना हुआ है।

प्रदेश अध्यक्ष पद पर सीधी टक्कर

प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए इस बार मुकाबला बेहद रोचक माना जा रहा है। चुनाव मैदान में अभिषेक चौधरी और अनिल चोपड़ा दो मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच सीधी टक्कर देखने को मिल रही है। अनिल चोपड़ा को सचिन पायलट खेमे के करीब माना जा रहा है, जबकि अभिषेक चौधरी को अशोक गहलोत गुट का समर्थन मिलने की चर्चा है। यही वजह है कि यह चुनाव कांग्रेस के अंदर शक्ति प्रदर्शन के तौर पर भी देखा जा रहा है। अनिल चोपड़ा को जयपुर ग्रामीण, दौसा, सवाई माधोपुर, बांसवाड़ा, हनुमानगढ़, गंगानगर, पाली, टोंक, बाड़मेर और अजमेर जैसे जिलों में मजबूत माना जा रहा है। वहीं अभिषेक चौधरी जयपुर शहर, सीकर, चूरू, झुंझुनूं, उदयपुर, राजसमंद, डूंगरपुर, कोटा और अलवर समेत कई जिलों में बढ़त बनाए हुए बताए जा रहे हैं। बाकी जिलों में दोनों प्रत्याशियों के बीच कांटे की टक्कर मानी जा रही है। ऐसे में आने वाले दिनों में चुनाव और ज्यादा दिलचस्प होने की संभावना है।

अवैध शराब के खिलाफ सख्त एक्शन: 1.40 लाख लीटर वॉश नष्ट, 172 गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेशभर में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1 लाख 40 हजार 402 लीटर वॉश नष्ट किया है। इस अभियान में अब तक 172 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 633 मामलों में अभियोग दर्ज किए गए हैं। यह कार्रवाई आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में 1 से 5 मई 2026 के बीच की गई। अभियान के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों में व्यापक स्तर पर नाकाबंदी, गश्त और दबिश देकर अवैध मदिरा के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री पर शिकंजा कसा गया। कार्रवाई में करीब 8.52 लाख रुपये मूल्य की 3169 लीटर देशी शराब, 7.96 लाख रुपये की 798 लीटर विदेशी शराब, 2.62 लाख रुपये की 1199 लीटर बीयर और 3698 लीटर हथकड़ शराब जब्त की गई। इसके साथ ही 9 वाहनों को भी जब्त किया गया। उदयपुर, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, हनुमानगढ़, अलवर, बीकानेर, झालावाड़, जोधपुर, बाड़मेर, भरतपुर, दौसा और अजमेर सहित कई जिलों में आबकारी टीमों ने लगातार दबिश देकर बड़ी मात्रा में अवैध शराब और कच्चा माल बरामद किया। कई जगहों पर कच्ची भट्टियों को नष्ट कर अवैध निर्माण पर रोक लगाई गई। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के खिलाफ 'जीरो टोलरेंस' नीति अपनाई गई है। अन्य राज्यों से होने वाली तस्करी और अवैध बिक्री पर कड़ी नजर रखी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस व्यापक अभियान से प्रदेश में अवैध शराब के नेटवर्क पर बड़ा असर पड़ा है और भविष्य में भी ऐसे तत्वों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहने के संकेत दिए गए हैं।

'ग्राम-2026' से कृषि क्षेत्र में खुलेंगी नई संभावनाएं: अविनाश गहलोत

जयपुर/चूरू। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री एवं चूरू जिला प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने मंगलवार को रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बुधवाली गांव में आयोजित सांध्य चौपाल में आमजन की समस्याएं सुनीं और ग्राम रथ अभियान कार्यक्रम में भाग लेकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए आगामी 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)-2026' में अधिक से अधिक भागीदारी करने का आह्वान किया। मंत्री गहलोत ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित योजनाएं समाज के कमजोर, वंचित और जरूरतमंद वर्गों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। छात्रवृत्ति, पेंशन, स्वरोजगार और विभिन्न सहायता योजनाओं के माध्यम से सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि राजस्थान को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के 24 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है, वहीं शेखावाटी क्षेत्र में यमुना जल समझौते के जरिए मीठा पेयजल पहुंचाने की दिशा में कार्य हो रहा है। इसके अलावा 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान के तहत पारंपरिक जल स्रोतों को सुदृढ़ किया जा रहा है और वीबी-जीरामजी योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि प्रदेश ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की है और करीब 350 परीक्षाएं बिना पेपर लीक के सफलतापूर्वक आयोजित की गई हैं, जिससे युवाओं का विश्वास बढ़ा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए, ताकि पात्र व्यक्तियों को समय पर लाभ मिल सके। ग्रामीणों से संवाद करते हुए गहलोत ने जागरूकता पर जोर दिया और कहा कि लोग ग्राम रथ के माध्यम से योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर पात्रता अनुसार आवेदन करें। उन्होंने युवाओं, किसानों और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। 'ग्राम-2026' का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि यह आयोजन कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों, नवाचारों और उन्नत पद्धतियों को बढ़ावा देगा, जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी।

जालूपुरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई:

11 साल से फरार इनामी साइबर ठग गिरफ्तार, 'ऑपरेशन म्यूल हंटर' में मिली सफलता

जयपुर। जयपुर के जालूपुरा थाना पुलिस ने साइबर ठगी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 साल से फरार दो इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन म्यूल हंटर' के तहत की गई, जिसमें साइबर फ्रॉड से जुड़े नेटवर्क पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि 18 जुलाई 2025 को उपनिरीक्षक माया मीणा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पोलोविक्ट्री स्थित जैन पार्श्वनाथ ट्रेवल्स एंड कार्गो सर्विस से नागपुर के नाम एक संदिग्ध पार्सल भेजा गया है। जांच में उस पार्सल से बड़ी मात्रा में अवैध मोबाइल सिम कार्ड, बैंक पासबुक और एटीएम कार्ड बरामद हुए। इस आधार पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त बजरंग सिंह और सहायक पुलिस आयुक्त राजेंद्र कुमार मीणा के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने महाराष्ट्र के चंद्रपुर और वर्धा जिलों में गहन जांच की, जहां से साइबर ठगी के इस गिरोह का खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि आरोपी विजय रमेश राव सेण्डे और सूर्य प्रकाश सैनी गरीब और कम पढ़े-लिखे लोगों को सरकारी योजनाओं, खासकर 'लाडली बहन योजना' का लाभ दिलाने का झांसा देते थे। कैवाईसी के नाम पर वे लोगों से उनके सिम कार्ड, एटीएम कार्ड और बैंक पासबुक ले लेते थे और उन्हीं खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम ट्रांसफर करने में करते थे। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी नागपुर से राजस्थान आया हुआ है और सीकर के रिंगस में अपने साथी से मिलने वाला है। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को रिंगस से गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और साइबर फ्रॉड की रकम व नेटवर्क के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई साइबर अपराध पर लगाम लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और भविष्य में भी ऐसे गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जयपुर में अतिक्रमण पर कार्रवाई: 20 हजार कैरिंग चार्ज वसूला, 2 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में बरकत नगर एवं आईआईएचएमआर विष्वविद्यालय सांगानेर से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 20 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 2 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में बरकत नगर एवं आईआईएचएमआर विष्वविद्यालय सांगानेर से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 2 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 20 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

आवश्यक नम्बर — रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया ने की जनसुनवाई

-आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया द्वारा बुधवार को अन्ता विधानसभा क्षेत्र के अन्ता एवं सीसवाली कस्बों में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों ने भाग लेकर अपनी व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याएं विधायक के समक्ष प्रस्तुत की। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधायक भाया सुबह से अन्ता स्थित श्रीकृष्णा मैरिज गार्डन रावण जी के चैक के पास में उपस्थित रहे, जहां उन्होंने आमजन की समस्याएं सुनीं। इसके पश्चात दोपहर को सीसवाली पहुंचकर सीसवाली में मांगरोल रोड स्थित श्री गिरिराज धरण होटल एण्ड रिसोर्ट में जनसुनवाई की। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने बिजली, पानी, सड़क, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं रखीं। विधायक भाया ने मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए तथा गंभीर मामलों में शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। विधायक ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करवाना उनकी प्राथमिकता है और जनसुनवाई जैसे कार्यक्रम जनता और जनप्रतिनिधि के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। जन सुनवाई के दौरान कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे।

अकीदत से मनाया गया पुरानी कचहरी हजरत फ़य्याज़ुल मलिक शाह बाबा का उर्स

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम समाज मंगलवार को धनमण्डी स्थित पुरानी कचहरी में हजरत फय्याजुल मलिक शाह दातार रहमतुल्लाह अलैह कचहरी वाले बाबा का सालाना उर्स मुबारक की बड़ी अकीदत व एहतराम से मनाया गया। जिला मुस्लिम समाज प्रवक्ता शकील अहमद नागौरी ने जानकारी देते हुए बताया की सोमवार को शुरू हुए कचहरी वाले बाबा के 718 वां सालाना उर्स मुबारक में दरगाह परिसर पर परचम कुशाई के साथ शुरू हुए उर्स मुबारक में ईशा की नमाज के बाद संदल हुआ मंगलवार को फजर की नमाज के तिलावते कुरान ख्वानी की गई । दोपहर को 2:30 बजे छिपो के माहीला बास से हाजी हुसैन भाई सुरती, इमरान मोतीवाला प्यारा चौक के द्वारा अकीदतमंदों व मोमिनो के साथ जुलूस के रूप में प्यारा चौक से होकर रुई कटला, धान मंडी से होकर पुरानी कचहरी दरगाह में चादर पेश की गई। अशर की नमाज के बाद खत्म ख़्वाजगान पढ़ा गया। दरगाह के गद्दीनशीन बाबा मोहम्मद हुसैन रिजवी हबीबी ने बताया उर्स मुबारक के अवसर पर हिंदुस्तान के चितौड़गढ़ के मशहूर मशरूफ सूफी कव्वाल मोहम्मद समीर असलम साबरी चितौड़गढ़ वाले ने ईशा की नमाज के बाद अपना कव्वाली का कार्यक्रम पेश हुआ जिसमें कव्वाल मोहम्मद समीर असलम साबरी ने बाबा की शान में शानदार कलाम पेश करते है देश प्रेम व सांप्रदायिक सद्भावना भाईचारे एकता की मिसाल पेश करते हुए शानदार कलाम पेश किए। कव्वाली कार्यक्रम शुरू होने से पूर्व दरगाह परिसर में पाली के मशहूर नात खाव्वन

हाजी मोहम्मद शरीफ रिजवी, फिरोज हशमती, फिरोज अशरफी सहित कई नात खानो द्वारा नाते पाक का नजराना पेश कर मोमिनो के दिलो को बागे मदीना बनाया। मगरिब की नमाज के बाद दरगाह कमेटी के सदस्यों द्वारा लंगर शिरनी तकसीम की गई। बुधवार अल सुबह कुल की रश्म अदा होने के साथ उर्स मुबारक का समापन हुआ। दरगाह कमेटी दरगाह कमेटी के गद्दीनशीन बाबा मोहम्मद हुसैन व मोहम्मद अयूब हबीबी सेकेट्री मोहम्मद फिरोज दुला, जिला मुस्लिम समाज प्रवक्ता शकील अहमद नागौरी, पूर्व पार्षद आमीन अली रंगरेज, युनुश भाटी, मोहम्मद अफजल छपारा, मोहम्मद नोशाद जी बी, समीर गाडर, इमरान H M, असलम खिलेरी, मोइन हबीबी, इमरान मोतीवाला, जावेद मोतीवाला, मोइन लोहार, मोहम्मद जेद, अमान H M, haki महबूब अली रंगरेज, अब्दुल लतीफ कोहिनूर सहित मुस्लिम समाज के गणमान्य लोग इस अवसर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बाजार मंडल क्षेत्र अध्यक्ष शकील अहमद नागौरी के नेतृत्व में दरगाह गद्दीनशीन बाबा मोहम्मद हुसैन रिजवी, सदर मोहम्मद अय्यूब हबीबी, सचिव फिरोज टूला दरगाह कमेटी के सदस्यों द्वारा शानदार व्यवस्था बनाने के साथ उर्स मुबारक के सफल आयोजन के लिए शहर कांग्रेस बाजार मंडल क्षेत्र की ओर दस्तारबंदी व गुलपोशी कर इस्तकबाल किया गया। दूसरी तरफ दरगाह कमेटी द्वारा सांप्रदायिक सद्भावना की मिसाल पेश करते हुए । पाली शहर की हृदय स्थली धानमंडी जहां एक ओर महाराणा प्रताप की जन्म स्थली है दूसरी और माता रानी भटियाणी व मां नागणेचिया का मंदिर है वहीं हिन्दू मुस्लिम एकता की प्रतीक 718 साल पुरानी कचहरी वाले बाबा की दरगाह है, दरगाह कमेटी जब से उर्स मुबारक मनाने शुरू हुई तब से हर साल सैकड़ों जायरीनों की मौजूदगी में हिन्दू मुस्लिम एकता के प्रतीक के रूप में मुस्लिम समाज दरगाह कमेटी द्वारा हिन्दू भाइयों सहित सभी समाज के गणमान्य लोगों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के विजय राज सोनी, एडवोकेट अरिहंत चोपड़ा, भीम राज चौधरी, दोला राम पटेल, व्यापार मंडल के माणक जी सहित लोगों का उर्स पर दरगाह कमेटी ने गद्दीनशीन बाबा मोहम्मद हुसैन, सदर मोहम्मद अय्यूब हबीबी, मोहम्मद फिरोज टूला सहित लोगों ने सभी का दस्तरबंदी कर मोतियों के हार पहना कर बहुमान किया गया।

अदालत ने दिया ननिहाल पक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश

-55 लाख रुपये के जेवर, मकान दस्तावेज़ और लाखों की नकदी चोरी का मामला

कोटा (रॉयल पत्रिका) । मृतका के जेवरों की चोरी, संपत्ति के दस्तावेज और एटीएम एवं ऑनलाइन माध्यम से लाखों रुपये निकालने के मामले में न्यायालय ने मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं। इस प्रकरण में मृतका की पुत्री फरजाना बानो द्वारा न्यायालय के समक्ष एक इस्तगासा प्रस्तुत किया गया था, जिस पर सुनवाई के पश्चात अदालत ने संबंधित प्रकरण में विधि अनुसार कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज करने के निर्देश पारित किए। परिवादिया के अधिवक्ता एडवोकेट अन्सार इंदौरी ने बताया कि फरियादी फरजाना बानो ने एक इस्तगासा कोटा की एक अदालत में पेश किया था। इस्तगासे के अनुसार, माता सायरा बानो की मृत्यु के तुरंत बाद ननिहाल पक्ष द्वारा 55 लाख रुपये मूल्य के आभूषण चोरी कर लिए गए। इसके कुछ दिनों बाद, माता की मृत्यु से उत्पन्न गहरे सदमे के कारण पिता का भी निधन हो गया। इसके पश्चात पिता के एटीएम कार्ड तथा ऑनलाइन बैंकिंग/डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से कथित रूप से लाखों रुपये की निकासी की गई। पीड़िता फरजाना बानो ने इस पूरे मामले में न्याय की गुहार लगाते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने प्रस्तुत तथ्यों और अभिवचनों पर विचार करने के बाद कैथून निवासी नाना ईद मोहम्मद, नानी आमना बी, मामा फिरोज अहमद, शाकिर हुसैन, मामी बिल्किस बानो, ममेरा भाई उवैस रज़ा, मौसी शमीम बानो, मीना बानो, रिहाना बानो, जरीना बानो, संजीदा बानो, मौसा आरिफ हुसैन और मुसेरे भाई परवेज़ अहमद के खिलाफ़ थाना उद्योग नगर को मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं, जिससे प्रकरण में विधिक जांच का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह आदेश न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पीड़िता पक्ष ने आशा व्यक्त की है कि निष्पक्ष जांच के माध्यम से वास्तविक तथ्यों का पता चलेगा और दोषियों के विरुद्ध समुचित कार्रवाई की जाएगी।

अष्टम पोषण पखवाडा का समापन समारोह, रंगोली बनाकर दिया सुपोषण का संदेश

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में बुधवार को पेंशनर समाज भवन में अष्टम पोषण पखवाड़ा का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान आईसीडीएस उपनिदेशक डॉ. नरेन्द्र शेखावत ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों पर वितरित किये जाने वाले समस्त प्रकार के पोषाहार सामग्री बिना एफआरएस के वितरित नहीं की जाएं। इसी प्रकार प्रधानमंत्री मातृत्व वन्दना योजना में किसी भी प्रकार की पेंडेंसी नहीं रहे और सभी केन्द्रों पर पंजीकृत 3 वर्ष से 6 वर्ष के बच्चों की शत— प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अष्टम पोषण पखवाड़े में राज्य स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सभी मानदेयकर्मियों व विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने थीम आधारित रंगोली बनाई तथा पोषण आधारित रेसीपी का प्रदर्शन कर सुपोषण का संदेश दिया। इस वर्ष की थीम 'जीवन के प्रथम छः वर्षों में अधिकतम मस्तिष्क विकास' रही। इस दौरान अतिथियों ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला पर्यवेक्षक, ब्लॉक कॉर्डिनेटर एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं को प्रशस्ति — पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सीडीपीओ सीमा गहलोत, चन्द्रकला शर्मा, कर्णपाल सिंह, निखिल कुमार महर्षि, नरेन्द्र कुमार महर्षि, मुस्तकीम खान, माया सरावग आदि उपस्थित रहे। संचालन शीतल बत्रा एवं ममता कुमारी ने किया।

एमआर बी गौड़ इंग्लिश एकेडमी में बच्चों को दी सिविल राइट के बारे में जानकारी - एडवोकेट प्रजापति

सीकर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित एम आर बी गौड़ इंग्लिश एकेडमी के सभागार में आयोजित मोटिवेशनल सेमिनार में मुख्य वक्ता एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति जिला अध्यक्ष सीवील राइट सोसायटी चुरु ने बच्चों से कहा कि प्यारे बच्चों जिवन मे सुस्वास्थ्य की नींव मजबूत होना बहुत जरूरी है स्वास्थ्य अच्छा नहीं रखोगे बचपन में तो बुढ़े हो जाओगे बचपन में । उन्होंने बच्चों को ख़ान पान में विशेष महत्व देने के साथ ही फास्ट फुड से दूर रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों के घर दुध, दही का अभाव है उन्हें अंकुरित अनाज को भोजन का हिस्सा बनाना चाहिये। उन्होंने अंकुरित अनाज के तैयार करने, उपयोग करने के साथ ही स्वास्थ्य के अनगिनत फायदे बताते हुए सुबह का नाश्ता खुद बनाकर लेने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के शुभारंभ में संस्था के निदेशक इरसाद गौड़ ने 2012 से चल रही शाला के नवाचार से अवगत करवाया, शानदार शाला परिणाम के साथ ही बच्चों के अनुशासन, गुणवत्ता पुर्ण टिफन की नियमित चैकींग की जानकारी देते हुए बालिकाओं की फीस में पच्चीस प्रतिशत छुट से नामांकन बढ़ाने और बच्चों को लीक से हटकर पढ़ाने की जानकारी से अवगत करवाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाला प्रधान डांस प्रेम लता कुमावत ने बच्चों से मुख्य वक्ता के सम्बोधन से प्रेरणा लेकर पढ़ने की प्रेरणा दी। मुख्य वक्ता द्वारा बच्चों को डेढ़ घंटे घर पर पढ़कर, सुबह जल्दी चार बजे उठकर पढ़ाई कर ने की, सीखकर याद करने के फायदे की, अंकुरित अनाज देने के स्वैच्छिक संकल्प बच्चों द्वारा लेने पर खरे रहने और प्रसन्नचित्त होकर सकारात्मक सोच से पढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में इरशाद गोड़, गंगा मिश्रा, सुमन लसीवाल, नेहा राठौर, रेखा तिवाड़ी, इमरान गौड़, मनिषा कुमावत,शोभा शर्मा, पुजा, रुखसार, जितेन्द्र वर्मा, साहिल गौड़, कोमल, फलक तंवर, पलक मिश्रा आदि ने सहभागिता दी।

नेशनल लोक अदालत के लिए प्रशासनिक तैयारी तेज

-महवा में अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक, दिए गए आवश्यक निर्देश

शफीक अली

महवा/दौसा (रॉयल पत्रिका)। तालुका विधिक सेवा समिति, महवा द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत (09 मई 2026) के सफल आयोजन को लेकर प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति, महवा आशुतोष गोयल ने की। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी अमित वर्मा, तहसीलदार पृथ्वीराज मीणा, वृत्त अधिकारी मनोहर लाल मीणा, थानाधिकारी महवा सचिन शर्मा, थाना मण्डावर से जगदीश प्रसाद एएसआई एवं थाना सलेमपुर से हरिकिशन एएसआई सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि राष्ट्रीय लोक अदालत से जुड़े मामलों में अधिक से अधिक प्रकरणों की तामील सुनिश्चित की जाए। साथ ही बैंक प्रीलिटिगेशन नोटिस की 100 प्रतिशत तामील के लिए बैंक अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। राजस्व मामलों में भी अधिक से अधिक प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। अध्यक्ष द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे व्यक्तिगत रुचि लेकर कार्य करें, ताकि 09 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके और अधिकतम मामलों का समाधान हो सके।

विधायक हरलाल सहारण ने किया हिन्दी फीचर फिल्म चूहरू जाट के प्री पोस्टर का विमोचन

-चन्द्र फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले बनेगी चूहरू जाट

चूरू (रॉयल पत्रिका)। चूरू विधायक हरलाल सहारण ने चन्द्र फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले बनने वाली हिन्दी फीचर फिल्म चूहरू जाट के प्री पोस्टर का विमोचन किया। यहां भारतीय खाद्य निगम के सामने संतोष भोजनालय में आयोजित एक सादा समारोह में चूरू विधायक हरलाल सहारण ने प्री पोस्टर का विमोचन करते हुए कहा कि चूरू में हिन्दी का निर्माण किया जाना सराहनीय है। इससे स्थानीय कलाकारों अवसर मिलेगा। फिल्म के निर्माता, निर्देशक और लेखक राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि इससे पहले वे चार राजस्थानी फीचर फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। इस फिल्म के गीत गिरीश भार्गव ने लिखे हैं। संगीत संतोष कुमार नायक का है। गीतों को आवाज रघुवीर सिंह राठौड़ रूपलीसर और अनीता नायक देंगे। डी ओ पी विकास सक्सेना रहेंगे। संपादन प्रवेश सक्सेना द्वारा किया जाएगा। इस फिल्म में माही कटारिया और अलिसा सोनी की मुख्य भूमिका रहेगी। आज यहां कार्यक्रम के शुभारंभ में निर्माता, निर्देशक और लेखक राजेन्द्र सिंह शेखावत, फिल्म के खलनायक महिपाल सिंह, दलीप कुमार शर्मा, शिवनंदन शर्मा, राहुल शर्मा आदि ने माल्यार्पण करके विधायक हरलाल सहारण का अभिनंदन किया। इस मौके पर विधायक हरलाल सहारण की टीम के अलावा दलीप सरावग, निर्मल कौशिक, कपिल चंदेल, विनोद राठी, आशीष पारीक, कैलाश पारीक, मोहम्मद अली पठान, बजरंग सैनी, पुनित सोनी, छात्र नेता प्रशांत शर्मा, एडवोकेट योगेन्द्र सिंह ख्याली आदि सहित कई जने मौजूद रहे। शेखावत ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

खेती बाड़ी की आधुनिक तकनीकों और उन्नत कृषि पद्धतियों की दी जानकारी

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिले में चार एलईडी मोबाईल वैन से ग्राम रथ अभियान के तहत बुधवार को भी राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न गांवों में ऑडियो वीडियो व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से योजनाओं का संदेश दिया गया। अभियान में जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में मोबाईल वैन की एलईडी स्कीन पर किसानों को खेती बाड़ी की आधुनिक तकनीकों और उन्नत कृषि पद्धतियों के बारे में जानकारी दी जा रही है और 4 वैन निरंतर वीडियो संदेश दिखा रही है। योजनाओं को रोचक बनाने के लिए लोक कलाकारों द्वारा गांवों में संध्या चौपाल में शाम के समय लोक कलाकारों द्वारा गीतों और नाटकों के जरिए योजनाओं को रोचक ढंग से समझाया जा रहा हैं। रथों पर ग्रामीणों के सुझाव लेने के लिए सुझाव पेटिका रखी गई है, ताकि भविष्य में योजनाओं को और पारदर्शी बनाया जा सके।

ग्राम रथों से जन-जागरूकता

बुधवार को ग्रामीण बहुल विधानसभा क्षेत्र अंता में छत्रपुरा, रायथल, महुआ, किसनपुरा, जलोदातेजाजी बारां-अटरू में जिरोद, कुन्जैड़, आटोन किशनगंज में बांसथूनी, पींजना, बिलासगढ़, फल्दी, किशनगंज छबड़ा में बारई, कडैयानोहर, घाटाखेड़ी, मूण्डक्या में ग्राम रथों से राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिनमें एलईडी स्क्रीन के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संदेश प्रसारित कर जनता और सरकार के बीच सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। अभियान में लोक कलाकारों द्वारा नृत्य लोकगीत एवं नुक्कड नाटक के द्वारा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एलईडी वैन पर प्रदर्शित सूचनात्मक वीडियो घोषणाओं एवं संदेशों को स्थानीय नागरिकों द्वारा ध्यानपूर्वक सुना और देखा गया।

होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त जिला कलेक्टर का किया अभिनंदन

-पर्यटन विकास पर हुई सार्थक चर्चा

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिले के पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र को नई दिशा देने की दृष्टि से होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा का औपचारिक अभिनंदन किया। यह स्वागत समारोह मिनी सचिवालय बारां में सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। प्रतिनिधिमंडल द्वारा जिला कलेक्टर को बारां के आराध्य देव भगवान श्री कल्याण राय जी की तस्वीर भेंट की गई। इस अवसर पर पारंपरिक साफाबंधी एवं माल्यार्पण कर उनका सम्मान किया गया। फेडरेशन से जुड़े राजेंद्र शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान, बारां इकाई के अध्यक्ष हरिओम अग्रवाल, उपाध्यक्ष महेंद्र शर्मा कस्तूरी, कोषाध्यक्ष मुरारी राठौर, हर्ष विजय, अशफाक मयूर सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। बारां इकाई के अध्यक्ष हरिओम अग्रवाल एवं सचिव जगदीश शर्मा ने जानकारी दी कि होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान प्रदेश के सभी जिलों में धार्मिक, पुरातात्विक, पौराणिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन और टूरिज्म को संगठित रूप से विकसित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसका प्रमुख उद्देश्य प्रदेश में पर्यटन को रोजगार सृजन का प्रभावी माध्यम बनाना है। उन्होंने बताया कि अभिनंदन समारोह के दौरान नवनियुक्त जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा से क्षेत्र में पर्यटन एवं टूरिज्म के विकास, स्थानीय धरोहरों के संरक्षण, पर्यटक सुविधाओं के विस्तार तथा निजी क्षेत्र की सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं सकारात्मक चर्चा हुई। जिला कलेक्टर ने भी पर्यटन विकास से जुड़े सुझावों को गंभीरता से सुना और भविष्य में समन्वय के साथ कार्य करने का आश्वासन दिया। होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान ने आशा व्यक्त की कि जिला प्रशासन के सहयोग से बारां जिले की पर्यटन संभावनाओं को नई पहचान मिलेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती और युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

सीआई घुमड़वाली राजेंद्र चारण लाईन हाज़िर, जनता के संघर्ष की जीत

विनोद सोखल

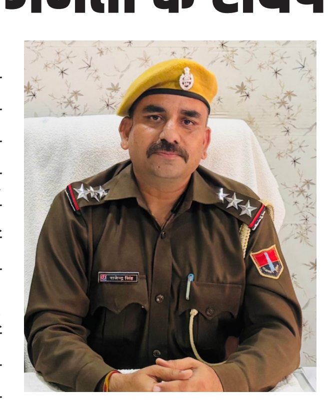

श्रीगंगानगर/बींझबायला (रॉयल पत्रिका)। गत 10 अप्रैल से पुलिस थाना घुमड़वाली के समक्ष 27 दिन से चल रहा धरना सीआई राजेंद्र चारण को लाईन हाज़िर करने के बाद समाप्त कर दिया गया सीआई राजेंद्र चारण पर परिवादियों व आमजन के साथ बदसलूकी करने, किसान टीकूराम खिलेरी से हुई ठगी मामले में संलिप्त होने, चोरी की बरामद राशि हड़पने, जबरन दुकानें बंद कराने जैसे गंभीर आरोप थे टीकूराम खिलेरी से हुई ठगी मामले में पूरी राशि बरामद होने बावजूद हेड कांस्टेबल महेंद्र कुमार द्वारा पूरी राशि टीकूराम को नहीं लौटाई गई जिसे पूर्व में ही सस्पेंड किया जा चुका है वहीं सीआई राजेंद्र चारण की कार्यशैली व टीकूराम खिलेरी से ठगी मामले की दो अलग अलग जांच जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सीआई सूरतगढ़ कर रहे है। सीआई राजेंद्र चारण को लाईन हाज़िर करने के बाद कॉमरेड रविंद्र तरखान ने कहा कि पुलिस अधीक्षक ने जनता की भावना को समझते हुए बेहद सराहनीय कार्रवाई की है उनसे टीकूराम खिलेरी व कालूराम के साथ न्याय करने की उम्मीद बंधी है ऐसे कार्रवाइयों से जनता में पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत होता है तरखान ने कहा कि सीआई राजेंद्र चारण पर कार्रवाई के बाद धरना समाप्त किया है लेकिन भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ संघर्ष जारी रहेगा उन्होंने तीन पुलिसकर्मियों को भी तुरंत प्रभाव से हटाने की मांग की है। किसान नेता अशोक जाखड़ ने कहा कि भ्रष्ट सीआई को लाईन हाज़िर किया जाना आमजन के संघर्ष की जीत है भविष्य में जनता को कोई पुलिस अफसर जलील नहीं करने, भ्रष्टाचार नहीं करे अब ऐसी उम्मीद की जा सकती है उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी नेताओं का भी आभार व्यक्त किया। कॉमरेड रविंद्र तरखान व अशोक जाखड़ के नेतृत्व में चल रहे धरने में आज टीकूराम खिलेरी, श्रवण सिंह समरा, सोहन महिया, अमरसिंह पोटलिया, साहबराम जाखड़, दिनेश पूनिया, अविनाश कुमार, भीमराज खिलेरी, कालूराम वर्मा, चंद्रभान गोदारा, अश्वनी सहारण, ओमप्रकाश गोदारा, बृजमोहन जाखड़, ताराचंद महरैया, विजय रोझ, लाभ सिंह, जनता ट्रक यूनियन के अध्यक्ष निर्मल मांगट आदि लोग शामिल रहे।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

भाजपा सरकार द्वारा पंचायत एवं नगर निकाय चुनाव टालने के विरोध में कांग्रेस के समर्थन बचाओं लोकतंत्र बचाओं अभियान के तहत जिला स्तरीय बैठक संपन्न

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। भाजपा सरकार द्वारा पंचायत एवं नगर निकाय चुनाव टालने के विरोध में कांग्रेस के संगठन बढाओ लोकतंत्र बचाओं अभियान के तहत चूरू जिला कांग्रेस कमेटी व चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक चूरू जिला अध्यक्ष व सुजानगढ विधायक मनोज मेघवाल की अध्यक्षता में 06 मई 2026 को प्रातः 10:00 बजे चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में आयोजित की की गई। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। बैठक में चूरू जिला प्रभारी व फतेहपुर विधायक हाकम अली खान ने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता के अहंकार में अवैधानिक प्रावधानों और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की अनदेखी कर रही है तथा चुनाव टाल रही है। उन्होने कार्यकर्ताओ से भाजपा सरकार के चाल, चरित्र और चेहरे को जनता के सामने लाने का आह्वान किया। हाकम अली ने संगठनात्मक मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि अभियान के तहत प्रत्येक स्तर पर संगठन को सशक्त किया जाएगा। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने प्रदेश में पंचायतीराज एवं नगर निकायों के चुनावों को टालने के भाजपा सरकार के निर्णय को लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक परम्पराओं पर कुठारघात बताया। मंडेलिया ने कहा कि भाजपा सरकार जानबूझकर पंचायतीराज व स्थानीय निकाय चुनावों को टालकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस पार्टी इस तानाशाही रवैये के खिलाफ जनता के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी। चूरू जिला अध्यक्ष व सुजानगढ विधायक मनोज मेघवाल ने संगठन

विस्तार, जनसंपर्क बढाने और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को पाबन्द किया। उन्होने कहा कि मजबूत संगठन ही लोकतंत्र को सशक्त बना सकता है, इसलिए जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की भूमिका अहम होती है। ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर तक सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होने यह बताया कि सभी पंचायतों और वार्डो में अध्यक्षों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर पर अध्यक्षों की नियुक्ति जमीनी स्तर पर कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान करेगी। रतनगढ विधायक पुसाराम गोदारा ने कहा कि चुनाव नही होने से गांवों में विकास कार्य ठप है और योजनाएं अटकी हुई है। उन्होने इसे भाजपा की सोची-समझी राजनीतिक राणनीति बताया। बुडानिया ने कहा कि पंचायत और नगर निकाय लोकतंत्र की नींव होते है, और इन्हे कमजोर करना जनता के अधिकारों का हनन है। उन्होने कांग्र्रेस कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव और वार्ड-वार्ड जाकर इस अभियान को मजबूती दें और आमजन को जागरूक करें। चूरू जिला सह प्रभारी दिनेश कस्वां ने कहा कि भाजपा राज में महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा हार के डर से निकाय और पंचायती राज चुनावों को टाल रही है, जो लोकतंत्र की हत्या है। बैठक को रियाजत खान, संजय कस्वां, भीमराज जाखड, केसरी शर्मा, असलम खोखर, किशोर धान्धू, पायल सैनी, गोविन्द महनसरिया, आदूराम न्यौल, धर्मेन्द्र बुडानिया, मो. हुसैन निर्बाण, संजय कस्वा, मोहनलाल आर्य, रामप्रताप कांटिवाल, कमला पुनियां, विधाधर मेघवाल,, अंजनी शर्मा, विक्रम थालोर, शमशेर भालू खां, सुखाराम घिंटाला, जंगशेर खां भुवाण, सोहनलाल मेघवाल, मुज्मिम भाटी, हेमन्त सारस्वत, मोहनलाल आर्य, बुदाराम, महिपाल सिंह आदि ने भी बैठक में अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के अंत में सभी कांग्रेसजनों ने एकजुट होकर संगठन बढाओं लोकतंत्र बचाओं अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. प्यारेलाल दानोदिया ने किया। इस अवसर पर रमजान खां, अबरार खां, जमील चौहान, योगेश ढाका, अली मोहम्मद भाटी, रामेश्वर नायक, एनके झारिया, आरिफ रिसालदार, करतार सिंह, कमलेश महला, शिवकुमार शर्मा, असलम खां मोयल, बाली बाई, किशनाराम बाबल, फुलचंद मुन्दडिया, प्रमेन्द्र सिहाग, बजरंग बजाड, अनीस खां, वाहिद अली, महबूब खान नसवान, ओमप्रकाश गोदारा, बाबू मंत्री, संजय भाटी, अजीज दिलावरखानी, अशोक पुनियां, नीरज शर्मा, समीउल्लाह, मोहन टेलर, विमल शर्मा, जाफर खां जोईया, प्रताप सिंह पुनियां सहित बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजुद रहे।

विधायक हरलाल सहारण का भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुंह मीठा करा कर अलग-अलग स्थानों पर बड़ी सादगी के साथ मनाया जन्मदिन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के चुरू आवास पर चूरू के विधायक और किसान नेता हरलाल सारण का जन्मदिन भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा के नेतृत्व में मनाया इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा ने विधायक हरलाल सारण को पार्टी का दुपट्टा माला और मुंह मीठा करवा कर जन्म की शुभकामना देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी परिवार के प्रमुख सदस्य किसानों के मसीहा और पार्टी की नीतियों का पालन करने वाले चूरू के विधायक हरलाल सहारण के जन्मदिन पर भाजपा परिवार की ओर से उन्हें शुभकामनाएं उन्होंने कहा कि एक सामान्य परिवार में पैदा होकर विधायक तक का सफर हरलाल सहारण ने अपने मेहनत परिश्रम से हासिल किया है। राजकीय भरतीय अस्पताल में मरीजों को फल वितरित किए गए। और इसी क्रम में गौशाला में गायों को गुड खिलाकर और पक्षी के लिए परिंदे लगाकर पुण्य के कार्यक्रम किए गए इस अवसर पर जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र काछवाल नरेंद्र सैनी विधानसभा संयोजक पदम सिंह राठौड़ जिला मंत्री सत्तार खान, दीनदयाल सैनी, नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, मंडल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, पार्षद राकेश दाधीच भागीरथ सैनी, असलम डायर, आनंद रेगर, जिला प्रवक्ता विजय शर्मा, संदीप पाटिल, मोहन गढ़वाल, असगर अली जोईया, नोमान खान, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अख्तर खान, कमल सैनी, मुकेश प्रजापत, गोपाल बालान, आदिल खान, अजय तंवर, किशन किरोड़ीवाल, श्री राम पीपलवा, देवराज पुरोहित ओम सिंह, सी पी शर्मा, संपत सिंह राठौड़, आकाश सैनी, सुनील ढाका, रजत शर्मा, ,दयाल सिंह निर्माण नरेंद्र सिंह राठौड़, सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वगणना जागरूकता हेतु स्लोगन व चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। प्रमुख जनगणना अधिकारी व जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जनगणना — 2027 के अंतर्गत स्वगणना को बढ़ावा देने हेतु जिलेभर में जागरूकता गतिविधियां निरंतर संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में बुधवार को जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में चित्रकला एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बुधवार को लोहिया महाविद्यालय चूरू, कोठारी टीटी सांखण ताल, लाहेड़ी टीटी कॉलेज सादुलपुर सहित जिले के अन्य शिक्षण संस्थानों में भी इसी प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने चित्रों एवं प्रभावशाली नारों के माध्यम से जनगणना से जुड़े संदेशों को सुंदर और सारगर्भित तरीके से अभिव्यक्त किया।

सवाई माधोपुर एवं गंगापुर सिटी में 76 परीक्षा केन्द्रों पर होगी परीक्षा, तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 9 एवं 10 मई 2026 को आयोजित होने वाली प्रयोगशाला सहायक भर्ती परीक्षा-2026 की तैयारियों के संबंध में बुधवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं जिला परीक्षा समन्वयक सुदर्शन सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा के सफल, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने बताया कि प्रयोगशाला सहायक (भूगोल) सीधी भर्ती परीक्षा-2026 का आयोजन 9 मई को जिला मुख्यालय के 27 परीक्षा केन्द्रों पर किया जाएगा, जिसमें कुल 8 हजार 376 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। वहीं 10 मई को आयोजित प्रयोगशाला सहायक एवं कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक (विज्ञान) संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2026 जिला मुख्यालय के 30 तथा उपखण्ड मुख्यालय गंगापुर सिटी के 19 परीक्षा केन्द्रों सहित कुल 49 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी। इस परीक्षा में जिला मुख्यालय पर 9 हजार 120 तथा गंगापुर सिटी में 6 हजार 120 परीक्षार्थी

सहित कुल 15 हजार 240 अभ्यर्थी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि 9 मई को आयोजित परीक्षा हेतु 20 निजी एवं 7 राजकीय परीक्षा केन्द्र निर्धारित किए गए हैं। वहीं 10 मई को जिला मुख्यालय पर 21 निजी एवं 9 राजकीय तथा गंगापुर सिटी में 14 निजी एवं 5 राजकीय परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा संचालन के लिए प्रत्येक दो परीक्षा केन्द्रों पर एक उपसमन्वयक नियुक्त किया गया है। सभी निजी परीक्षा केन्द्रों पर अतिरिक्त केन्द्राधीक्षक नियुक्त किए गए हैं, जबकि निजी परीक्षा केन्द्रों पर दो-दो एवं राजकीय परीक्षा केन्द्रों पर एक-एक पर्यवेक्षक लगाए गए हैं। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, विद्युत, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात एवं चिकित्सा सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा संचालन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी बोर्ड के दिशा-निर्देशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करें। बैठक में दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए स्क्राइब एवं अतिरिक्त समय संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की पहचान सत्यापन प्रक्रिया को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने कहा कि परीक्षा अवधि के दौरान नियंत्रण कक्ष सक्रिय रूप से कार्यरत रहेगा। परीक्षा से संबंधित सूचना एवं शिकायतों के निस्तारण हेतु नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नम्बर 07462-220323 निर्धारित किया गया है। उन्होंने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा गोपनीयता एवं सुरक्षा संबंधी सभी प्रोटोकॉल की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनगणना 2027: प्रगणकों तथा सुपरवाइजरों ने सीखी बारीकियां, दूसरे सत्र प्रशिक्षण का समापन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। प्रमुख जनगणना अधिकारी व जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिले में जनगणना—2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) के तहत जिलेभर में प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को जिले के चूरू, तारानगर, बीदासर, सुजानगढ़, रतनगढ़, सरदारशहर एवं राजगढ़ सहित सभी उपखंडों में कुल 11 प्रशिक्षण केंद्रों पर आयोजित हो रहे दूसरे सत्र प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण के दौरान ट्रेनर्स द्वारा पर्यवेक्षकों व प्रगणकों को जनगणना प्रपत्रों, डिजीटल उपकरण संचालन, डेटा संकलन, सीएमएमएस पोर्टल, गोपनीयता नियमों एवं फील्ड में कार्य करने की व्यवहारिक जानकारी दी। इसी क्रम में चार्ज जनगणना अधिकारियों द्वारा भी प्रशिक्षण सत्रों का पर्यवेक्षण किया गया।

लेहर फुटवियर ने नई तकनीक-सक्षम विनिर्माण सुविधा के साथ 5 गुना क्षमता विस्तार की घोषणा की

जयपुर, एजेंसी। लेहर फुटवियर्स लिमिटेड ने हरियाणा के कुंडली में एक नई, बड़े पैमाने की विनिर्माण इकाई जोड़कर अपनी उत्पादन क्षमता के बड़े विस्तार की घोषणा की है। इसका उद्देश्य तेजी से बढ़ते एथलीजर और स्पोर्ट्स फुटवियर सेगमेंट में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना है। यह सुविधा मुख्य रूप से स्पोर्ट्स शूज़ और संबंधित उत्पादों के निर्माण पर केंद्रित होगी, जिससे कंपनी की क्षमताओं में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी और उच्च-मूल्य उत्पाद श्रेणियों की ओर उसके रणनीतिक बदलाव को और मजबूती मिलेगी। इस विस्तार के तहत, कंपनी ने प्रस्तावित सुविधा के लिए किराया समझौता किया है, जिसके माध्यम से चरणबद्ध तरीके से उत्पादन क्षमता को लगभग 1 लाख जोड़ी प्रति माह से बढ़ाकर 5 लाख जोड़ी प्रति माह तक ले जाने की योजना है। यह सुविधा क्यू2 एफवाय26 से व्यावसायिक संचालन शुरू करने की उम्मीद है, जो स्पोर्ट्स और एथलीजर फुटवियर बाजार में बढ़ती मांग का लाभ उठाने की कंपनी की व्यापक रणनीति के अनुरूप है। नई कुंडली इकाई को स्पोर्ट्स शूज़ और एथिलीन विनाइल एसीटे-आधारित फुटवियर के लिए उन्नत विनिर्माण तकनीकों से सुसज्जित किया जाएगा, जिससे उत्पाद गुणवत्ता में सुधार, बेहतर स्थिरता और उच्च परिचालन दक्षता सुनिश्चित होगी। यह सुविधा कंपनी के इन-हाउस एथलीजर ब्रांड 'रैनर' के साथ-साथ उसके मूल उपकरण निर्माता विनिर्माण व्यवसाय को भी समर्थन देगी। इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, लेहर फुटवियर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राज कुमार अग्रवाल ने कहा- नई क्षमता वृद्धि हमारे विस्तार सफर का एक महत्वपूर्ण चरण है। यह परियोजना हमें स्पोर्ट्स और एथलीजर फुटवियर में बदलती उपभोक्ता मांग के अनुरूप स्केलेबल और तकनीक-सक्षम विनिर्माण क्षमताएं विकसित करने में सक्षम बनाएगी।

इस गर्मी समझदारी से खाएँ इस प्रोटीन से भरपूर डाइट के साथ

मुंबई, एजेंसी। गर्मी इस बार जल्दी आ गई है, और बीच ट्रिप्स सामने हैं, ऐसे में अपनी फिटनेस रूटीन शुरू करने का यह बिल्कुल सही समय है। जहाँ जिम सेशन ज़रूरी हैं, वहीं डाइट भी स्वस्थ शरीर का वजन बनाए रखने और उसे बेहतर आकार देने में उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। रितिका समद्दार, रीजनल हेड डाइटेटिक्स मैक्स हेल्थकेयर नई दिल्ली कैलिफ़ोर्निया बादाम, ग्रीक योगर्ट और सैल्मन से भरपूर इस आसान, प्रोटीन से भरपूर प्लान की सिफारिश करती हैं। शुरुआत कुछ कैलिफ़ोर्निया बादाम के साथ करें। हेल्दी फैट, विटामिन ई और मैग्नीशियम से भरपूर ये बादाम ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने में मदद करते हैं।

बायोकॉन की फाउंडर किरण मजुमदार शॉ ने भतीजी को बनाया उत्तराधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की प्रमुख बायोटेक्नोलॉजी कंपनी बायोकॉन के भविष्य को लेकर एक अहम ऐलान हुआ है। कंपनी की संस्थापक और चेयरपर्सन किरण मजुमदार-शॉ ने अपनी भतीजी क्लेयर मजुमदार को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। फॉर्च्यून इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने इस बात की जानकारी दी।

चार दशक से अधिक पहले बायोकॉन की स्थापना करने वाली और निःसंतान किरण मजुमदार-शॉ का मानना है कि 37 वर्षीय क्लेयर मजुमदार कंपनी के अगले चरण के ग्रोथ का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त हैं। यह डेवलपमेंट अपग्रेडेड बायोटेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित होगा।

किरण ने बताया कि भविष्य में

क्लेयर के भाई एरिक मजुमदार, जो कैलटेक में प्रोफेसर और एआई एक्सपर्ट हैं, तथा क्लेयर के पति थॉमस रॉबर्ट्स, जो मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल में ऑन्कोलॉजिस्ट हैं, बायोकॉन के पारिवारिक इकोसिस्टम को मजबूत करेंगे। एकमात्र मालकिन हूं, और मुझे यह सुनिश्चित करना है कि कंपनी सही हाथों में जाए। मैंने अपनी भतीजी क्लेयर को अपना उत्तराधिकारी चुना है, क्योंकि उन्होंने साबित कर दिया है कि वह एक कंपनी चला सकती हैं। क्लेयर मजुमदार वर्तमान में बिकारा थेरेप्यूटिक्स की संस्थापक और सीईओ हैं। यह कंपनी नैस्डैक पर लिस्टेड है और बायोकॉन द्वारा इनक्यूबेट की गई थी। उन्होंने स्टैनफोर्ड से डिग्री हासिल की है, जिसमें कैंसर बायोलॉजी में पीएचडी भी शामिल है। 2024 में लिस्टेड बिकारा का मार्केट कैप 1.6 अरब डॉलर से अधिक है। कंपनी ने हाल ही में जेनेरिक और बायोलॉजिक्स व्यवसायों का विलय कर दिया है, कर्ज में कमी की है और अपने स्ट्रक्चर को सरल बनाया है। अब बायोकॉन का फोकस बायोसिमिलर पर है, जो कंपनी के रेवेन्यू का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा है। कंपनी के पास पहले से 12 प्रोडक्ट बाजार में हैं और लगभग 20 प्रोडक्ट पाइपलाइन में हैं। श्रीहास तांबे ने बायोकॉन बायोलॉजिक्स के सीईओ और प्रबंध निदेशक का पदभार संभाल लिया है। सिद्धार्थ मित्तल 1 जुलाई से सिंजेन इंटरनेशनल को लीड करेंगे। किरण मजुमदार शॉ ने कहा कि ग्रुप का फ्यूचर ग्रोथ डिफरेंशिएटेड बायोसिमिलर, मूल बायोलॉजिक दवाओं और अनुसंधान एवं विकास प्लेटफार्मों में एआई के गहन एकीकरण पर टिकी होगी।

प. एशिया में तनाव के बावजूद भारत में विनिर्माण गतिविधियों में तेजी जारी, अप्रैल में 54.7 पर पहुंचा पीएमआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अप्रैल में 54.7 रहा, जो मार्च में 53.9 था। यह वृद्धि नए ऑर्डर (निर्यात सहित) और रोजगार के अवसर बढ़ने के कारण हुई। यह जानकारी एचएसबीसी फ्लैश इंडिया पीएमआई के आंकड़ों में सोमवार को दी गई। अप्रैल के आंकड़े दिखाते हैं कि भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं और नए व्यवसायों में तेजी जारी है। वहीं, निर्यात एक सकारात्मक बिंदु बना हुआ है और वृद्धि दर पिछले सितंबर के बाद सबसे तेज रही है। रिपोर्ट में कंपनियों ने संकेत दिया है कि पश्चिम एशिया में तनाव के कारण महंगाई के दबाव में वृद्धि हुई है। कच्चे माल की लागत और उत्पाद कीमतों दोनों में क्रमश: 44 महीनों और छह महीनों में सबसे तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एचएसबीसी की मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव अब और स्पष्ट होते जा रहे हैं, विशेष रूप से महंगाई के रूप में, जिससे उत्पादन लागत अगस्त 2022 के बाद से सबसे तेज गति से बढ़ी है और उत्पाद कीमतें छह महीनों में सबसे तेज दर से बढ़ी हैं। मार्च में 53.9 से बढ़कर अप्रैल में 54.7 होने के बावजूद मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) ने लगभग चार वर्षों में समग्र परिचालन स्थितियों में दूसरी सबसे धीमी सुधार का संकेत दिया। पीएमआई नए ऑर्डर, उत्पादन, रोजगार, आपूर्तिकर्ता आपूर्ति समय और खरीद स्टॉक के आधार पर समग्र परिस्थितियों को मापता है। स्थिरता ने बिक्री और उत्पादन को समर्थन दिया।

भारत दुनिया के सबसे अधिक स्पैम प्रभावित देशों में शामिल: ट्रूकॉलर रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी। ट्रूकॉलर द्वारा जारी ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, भारत दुनिया में सबसे ज़्यादा स्पैम पाने वाले देशों में पाँचवें स्थान पर है। इस सूची में इंडोनेशिया पहले स्थान पर है, जबकि उसके बाद चिली, वियतनाम और ब्राज़ील का नाम आता है। ये जानकारियाँ ट्रूकॉलर के एनॉनिमाइज़्ड (पहचान हटाकर) और समेकित डेटा पर आधारित हैं, जिसके दुनिया भर में 50 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता हैं। केवल 2025 में ही इस प्लेटफ़ॉर्म ने दुनियाभर में 68 अरब से ज़्यादा स्पैम और धोखाधड़ी वाली कॉलों की पहचान की। क्षेत्रीय रैंकिंग में भी भारत प्रमुख रूप से शामिल है, यहाँ स्पैम कॉल की तीव्रता 66 प्रतिशत दर्ज की गई, जिससे भारत दुनिया के सबसे अधिक प्रभावित पाँच देशों में शामिल हो गया। भारत में आने वाली स्पैम कॉलों में सबसे बड़ा हिस्सा बिक्री और टेलीमार्केटिंग कॉलों का है, जो कुल स्पैम गतिविधियों का 36 प्रतिशत है। इसके बाद 18 प्रतिशत कॉल वित्तीय सेवाओं से जुड़ी होती हैं, जबकि 12 प्रतिशत कॉल सीधे धोखाधड़ी और ठगी से संबंधित होती हैं। दुनियाभर में स्पैम कॉल के कारण हर क्षेत्र में अलग-अलग हैं। इंडोनेशिया और मेक्सिको में 40 प्रतिशत से अधिक स्पैम कॉल बैंक और लोन देने वाली

वित्तीय संस्थाओं से जुड़ी होती हैं। वहीं, चिली में सबसे ज़्यादा स्पैम कॉल कर्ज वसूली से संबंधित हैं, जो कुल स्पैम कॉलों का 38 प्रतिशत हैं। यह दुनिया में किसी एक श्रेणी का सबसे बड़ा हिस्सा माना गया है। दूसरी ओर, ब्राज़ील और नाइजीरिया में टेलीकॉम कंपनियों से जुड़ी कॉलें सबसे अधिक हैं, जहाँ कई बार सही बातचीत और धोखाधड़ी वाली कॉलों के बीच फर्क करना मुश्किल हो जाता है। ये रुझान एक बढ़ती वैश्विक चिंता को दिखाते हैं। जैसे-जैसे ऑटोमेटेड स्पैम कॉल तेजी से बढ़ रही हैं, अनजान नंबरों से आने वाली कॉलों पर लोगों का भरोसा लगातार कम होता जा रहा है। ट्रूकॉलर के सीईओ ऋषित झुनझुनवाला ने कहा, इन आंकड़ों का स्तर हर किसी के लिए चिंता का विषय होना चाहिए

ट्रूकॉलर के सीईओ ऋषित झुनझुनवाला ने कहा, इन आंकड़ों का स्तर हर किसी के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। धोखाधड़ी, किसी और की पहचान बनाकर ठगी और स्कैम लोगों की रोज़मर्रा की जिंदगी को ऐसे प्रभावित कर रहे हैं, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। कुछ देशों में अब ज्यादातर अनजान कॉल स्पैम होती हैं, जो संचार व्यवस्था में एक गंभीर त्रुटि है।

डीमर्जर की उम्मीदों और लगातार स्थिर वित्तीय परफोर्मेन्स के बीच एक साल के भीतर वेदांता के शेयर हुए तकरीबन दोगुने

मुंबई , एजेंसी। खनन के जाने-माने ग्रुप वेदांता लिमिटेड के शेयर की कीमतें पिछले एक साल में दोगुना हो गई हैं, क्योंकि डीमर्जर की उम्मीदों और स्थिर वित्तीय परफोर्मेन्स के बीच निवेशकों ने बड़ा दांव लगाया है।

स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के मुताबिक 30 अप्रैल 2025 और इस साल 29 अप्रैल के बीच वेदांता के शेयर 84.5 फीसदी बढ़े हैं, जो बीएसई के बेचंमार्क सेंसेक्स की तुलना में कहीं बेहतर प्रदर्शन है, जिसमें इसी अवधि के दौरान 3 फीसदी से अधिक गिरावट आई है। बीएसई पर कंपनी का मार्केट कैपिटलाइज़ेशन रु 1.38 लाख करोड़ बढ़ गया है। कंपनी के बोर्ड ने पहले 1 मई से प्रभावी होने वाले डीमर्जर को मंज़ूरी दी थी, जिससे पाँच स्वतंत्र और सेक्टर-विशिष्ट कारोबारों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इस पुनर्गठन का उद्देश्य हर परिणामी कारोबार को अपनी खुद की विकास रणनीति पर काम करने और बड़ी संख्या में निवेशकों को आकर्षित करने में सक्षम बनाना है। जिन शेयरधारकों के पास 29 अप्रैल तक वेदांता का एक शेयर था, उन्हें बनने वाली नई कंपनियों के चार अतिरिक्त शेयर मिलेंगे। कंपनी के शेयर 30 अप्रैल को डी-मर्जर के बाद ट्रेड हुए। एमके ग्लोबल फाइनैंशियल सर्विसेज़ लिमिटेड के अनुसार हमारा मानना है कि यह डीमर्जर शेयरधारकों के लिए मूल्य बढ़ाने वाला एक अहम कदम होगा। कंपनी ने आगे कहा, इस डीमर्जर से दो तरीकों से फायदा होने की उम्मीद हैः 1) संभावित वैल्यूएशन री-रेटिंग - क्योंकि आमतौर पर डाइवर्सिफाइड माइनर्स के मुकाबले प्योर-प्ले कंपनियों को ज़्यादा वैल्यू मिलती है और 2) हर बिजनेस के लिए खास तौर पर बनी मैनेजमेंट टीमों की मदद से बेहतर पूंजी आवंटन। बेदांता ने पहले कहा था कि इस डी-मर्जर से कंपनी की कॉर्पोरेट संरचना को आसान बनाने में मदद मिलेगी, जिसमें सेक्टर-केंद्रित स्वतंत्र बिजनेस शामिल होंगे। साथ ही, इससे ग्लोबल निवेशकों - जिनमें सॉवरेन वेल्थ फंड, रिटेल निवेशक और रणनीतिक निवेशक शामिल हैं - को वेदांता की विश्व-स्तरीय संपत्तियों के जरिए भारत की विकास यात्रा से जुड़ी प्योर-प्ले कंपनियों में निवेश करने के मौके मिलेंगे। यह परिणामी कारोबारों को अपनी योजनाओं को स्वतन्त्रतापूर्वक आगे बढ़ाने और ग्राहकों के निवेश एवं अंतिम बाजारों के साथ बेहतर तालमेल बनाने के लिए प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा। इस डीमर्जर के तहत, वेदांता ने चारों संगठनों को अलग से सूचीबद्ध करने की योजना बनाई हैः वेदांता एलुमिनियम मैटल लिमिटेड (वीएएमएल), तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल), माल्को एनर्जी लिमिटेड (एमईएल), और वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड (वीआईएसएल)।

थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम एक्टर्स को ज्यादा सम्मान मिलना चाहिए

रश्मि देसाई

अभिनेत्री रश्मि देसाई ने थिएटर एक्टर्स की मेहनत और संघर्ष पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है, जहां कलाकार बहुत मेहनत करते हैं लेकिन उन्हें समय पर उनका हक नहीं मिल पाता। रश्मि देसाई का कहना है कि थिएटर ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है। उन्होंने थिएटर को एक खूबसूरत और सीखने लायक माध्यम बताया है। अभिनेत्री एक इंटरव्यू में बताया, 'थिएटर एक्टर्स बहुत मेहनत करते हैं। उन्हें उनका हक समय पर नहीं मिलता। वे जिस तरह का मजा करते हैं, उनका एक छोटा सा परिवार होता है और वे उसी में खुश रहते हैं। उन्हें किसी और की तारीफ की जरूरत नहीं होती। उन्हें यह सुनने की जरूरत नहीं होती कि ठीक है, यह करो, वह करो।' रश्मि ने थिएटर कलाकारों की रिस्क लेने की क्षमता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि थिएटर एक्टर्स रिस्क लेने के लिए तैयार रहते हैं। अगर कोई गलती हो जाए या असफलता हो तो भी उनके साथी उनका हाथ थाम लेते हैं और कहते हैं कि यह वक्त भी गुजर जाएगा। रश्मि के अनुसार, थिएटर सीखने का सबसे अच्छा माध्यम है जहां हर असफलता के बाद नई शुरुआत होती है। अभिनेत्री ने थिएटर कलाकारों के लिए ज्यादा सम्मान की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'वे ज्यादा इज्जत के हकदार हैं। लोगों को थिएटर और थिएटर एक्टर्स के बारे में और जानना चाहिए। यह काम करने के लिए बहुत खूबसूरत माध्यम है। 'रश्मि देसाई ने अपने थिएटर अनुभव पर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि उन्होंने इतने लंबे समय बाद थिएटर किया। उन्होंने वैशाली, प्रतिमा, अयूब, ओजस रावल और आसिफ पटेल जैसे सह-कलाकारों और निर्देशकों का आभार व्यक्त किया। रश्मि ने उन्हें कमाल और बेहद पॉजिटिव लोग बताया। रश्मि देसाई का करियर साल 2006 में 'रावण' से शुरू हुआ। इसके बाद 'परी हूं मैं' में डबल रोल और 'उतरन' से उन्हें व्यापक लोकप्रियता मिली। उन्होंने 'झलक दिखला जा', 'खतरों के खिलाड़ी', 'नच बलिये' जैसे रियलिटी शो में भी हिस्सा लिया। सलमान खान की फिल्म 'दबंग 2' में उनका कैमियो भी याद किया जाता है।

Met Gala 2026

ईशा अंबानी

ने रेड कार्पेट पर बिखेरा भारतीय कला का जादू पहनी सोने की साड़ी और निज़ाम के गहने

फैशन की दुनिया के सबसे बड़े मंच 'मेट गाला 2026' में ईशा अंबानी ने एक बार फिर अपनी उपस्थिति से वैश्विक सुर्खियां बटोरीं। इस साल की थीम (फैशन ही कला है) को सार्थक करते हुए ईशा अंबानी ने भारतीय विरासत, इतिहास और समकालीन कला का एक अनूठा संगम पेश किया। फैशन की दुनिया के सबसे बड़े मंच 'मेट गाला 2026' में ईशा अंबानी ने एक बार फिर अपनी उपस्थिति से वैश्विक सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने फैशन की दुनिया की इस सबसे बड़ी रात में डिज़ाइनर गौरव गुप्ता द्वारा खास तौर पर डिज़ाइन की गई साड़ी पहनी थी। इस साड़ी में हाथ से पेंट किए गए पिछवाई से प्रेरित डिज़ाइन और एक स्कल्पचरल केप था, जो गुप्ता का सिग्नेचर स्टाइल है। यह साड़ी 'स्वदेश' के कारीगरों ने शुद्ध सोने के धागों से बुनी थी। 'स्वदेश' Reliance Retail द्वारा शुरू किया गया एक ऐसा रिटेल ब्रांड है जो सिर्फ़ कारीगरों के बनाए उत्पाद बेचता है। ब्लाउज़ में असली हीरे भी जड़े हुए थे। ब्लाउज़ के पिछले हिस्से को इतिहास के एक अनमोल टुकड़े से और भी ज़्यादा शानदार बनाया गया था–एक जगमगाता 'सरपेच', जो कभी निज़ाम के गहनों के संग्रह का हिस्सा था। रेड कार्पेट पर दिए एक इंटरव्यू में अंबानी ने कहा, 'इस ब्लाउज़ में मेरी माँ के गहनों के कई टुकड़े लगे हुए हैं।' डिज़ाइनर गौरव गुप्ता ने एक Instagram पोस्ट में लिखा, 'इस पोशाक (ब्लाउज़) में 1800 कैरेट से ज़्यादा हीरे, साथ ही पन्ना, पोल्की और कुंदन जड़े हुए हैं। ये सभी मिलकर इसे विरासत और कला का एक जीवंत रूप दे रहे हैं। 'लेकिन अंबानी के इस शानदार Met Gala लुक की खासियतें यहीं खत्म नहीं होतीं। अपनी खूबसूरत साड़ी और गहनों के साथ-साथ, वह रेड कार्पेट पर कला का एक नमूना भी अपने साथ लाई थीं–सुबोध गुप्ता द्वारा बनाई गई आम की एक मूर्ति, जिसे उन्होंने एक क्रोशे बैग में रखा था। यह मूर्ति न सिर्फ़ भारत की विरासत को एक सम्मान था, बल्कि यह 'हाथ में कला' का एक जीता-जागता उदाहरण भी थी।

मिसाइल अटैक से दुबई में फंसीं अमीषा पटेल

एक्ट्रेस बोलीं- ये जंग कब खत्म होगी

दुबई में हुए नए मिसाइल हमलों का असर अमीषा पटेल पर पड़ा है। दरअसल, एक्ट्रेस हाल ही में न्यूयॉर्क से मुंबई के लिए रवाना हुई थीं। उनकी फ्लाइट दुबई में उतरनी थी, लेकिन अचानक हुए हमलों से फ्लाइट डायवर्ट कर दी गई और एक्ट्रेस मस्कट में फंस चुकी हैं। अमीषा पटेल ने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा है, 'मैं न्यूयॉर्क से मुंबई वापस एमिरेट्स से आ रही थी। जैसे ही हम दुबई में उतरने वाले थे, यूएई में ताजा मिसाइल हमलों के कारण एयरस्पेस बंद कर दिया गया। अब हमें मस्कट डायवर्ड कर दिया गया है। हम आगे की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। ये युद्ध आखिर कब खत्म होगा।' इसके अलावा भी अमीषा पटेल ने एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने दुबई एयरपोर्ट की तस्वीर के साथ लिखा है, 'दुबई एयरपोर्ट पर कई घंटे बीत चुके हैं और इंतजार अब भी जारी है। मैं मुंबई में घर वापस आने का इंतजार नहीं कर सकती।' बता दें कि ये पहली बार नहीं हैं। इससे पहले इजरायल-ईरान जंग के हालातों के बीच ईशा गुप्ता, दीया मिर्जा, सोनल चौहान, लारा दत्ता समेत कई एक्ट्रेसेस दुबई में फंस चुकी हैं।

सायरा बानो ने हेमा मालिनी की खूबसूरती का किया जिक्र, याद किए साथ में बिताए दिन

गुजरे जमाने की खूबसूरत अभिनेत्री सायरा बानो से हाल ही में हेमा मालिनी उनके घर मिलने आईं। इस मुलाकात की झलकियां सोशल मीडिया पर साझा करते हुए सायरा बानो ने फिल्म 'दीवाना' की शूटिंग के दौरान हेमा मालिनी को पहली बार देखने की बात याद की। उन्होंने स्वीकार किया कि 'ड्रीम गर्ल' की खूबसूरती ने उन्हें पूरी तरह से मंत्रमुग्ध कर दिया था। हेमा मालिनी से दोबारा मिलने की खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा कि ऐसा लगता ही नहीं कि कुछ ही दिन हुए हैं, जब हेमा अपनी चचेरी बहन प्रभा के साथ मुझसे मिलने मेरे घर आई थीं... और फिर जब मैंने सुना कि वह दोबारा आ रही हैं... मेरा दिल खुशी से झूम उठा। उन पुराने अच्छे दिनों को याद करते हुए उन्होंने आगे लिखा, 'उसके बाद हम कुछ बार फिर मिले, और मुझे कृष्णा राज सागर बांध पर बिताए अपने दिन बहुत प्यारे लगते हैं। हमारे कमरे अगल-बगल थे, जिसका मतलब था कि हमारे दिन स्वाभाविक रूप से एक साथ बीतने लगे। हम घंटों बरामदे में बैठकर हर बात करते थे, सौंदर्य, त्वचा की देखभाल, छोटी-छोटी दिनचर्या, ऐसी बातें जो तब बहुत महत्वपूर्ण लगती थीं, और शायद अपने सौम्य तरीके से थीं भी। सायरा बानो ने दिवंगत दिग्गज धर्मेंद्र और दिलीप कुमार के साथ उनके रिश्ते का जिक्र करना नहीं भूला। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि इन विचारों के बीच कहीं न कहीं मुझे धर्मेंद्र जी की याद आ गई, उनकी गर्मजोशी की, उस सच्चे स्नेह की, जिसके साथ वे दिलीप साहब के प्रति अपना स्नेह रखते थे। दिलीप साहब के प्रति उनका प्रेम और सम्मान कभी प्रकट करने की जरूरत नहीं पड़ी; यह उनके बोलने के तरीके और उनके भीतर के गहरे सम्मान से ही स्पष्ट हो जाता था।

तकनीक बदल गई लेकिन कहानी सुनाने का तरीका आज भी वही : आमिर खान

सिनेमा की दुनिया समय के साथ लगातार बदलती रही है। पहले जहां फिल्मों को सिर्फ मनोरंजन का जरिया माना जाता था, वहीं अब इसे भावनाओं, सोच और समाज को जोड़ने वाली एक मजबूत कला के रूप में देखा जाता है। बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता और फिल्म निर्माता आमिर खान का मानना है कि फिल्मों की असली ताकत उनकी कहानी में होती है। हाल ही में उन्होंने अपनी नई फिल्म 'एक दिन' के प्रमोशन के दौरान फिल्ममेकिंग और स्टोरीटेलिंग की कला को लेकर खुलकर बात की। आमिर खान ने अभिनेता और कमीडियन जाकिर खान के साथ बातचीत के दौरान कहा, ''फिल्म बनाना असल में कहानी सुनाने जैसा ही है। इंसान हजारों सालों से एक-दूसरे को कहानियां सुनाता आ रहा है। पहले जब किताबें नहीं होती थीं, तब लोग बैठकर किस्से और कहानियां सुनाया करते थे। आज भी वही काम हो रहा है, लेकिन अब कहानी कहने के बजाय दिखाने का तरीका आ गया है।'' आमिर खान ने कहा, ''पहले लोग सिर्फ शब्दों के जरिए कहानी सुनाते थे, लेकिन अब फिल्मों में कैमरा, आवाज, संगीत और कलाकारों का इस्तेमाल किया जाता है। आज फिल्म निर्माता किसी सीन को कैमरे से दिखा सकते हैं, उसमें संगीत जोड़ सकते हैं और अलग-अलग कलाकारों के जरिए किरदारों को जीवंत बना सकते हैं। लेकिन इन सबके बावजूद सबसे जरूरी चीज कहानी ही होती है।'' उन्होंने आगे कहा, ''अगर कहानी दिलचस्प नहीं होगी, तो लोग फिल्म देखना पसंद नहीं करेंगे। चाहे फिल्म कितनी भी बड़े स्तर पर बनाई जाए और उसमें कितनी भी अच्छी तकनीक इस्तेमाल की जाए, अगर कहानी दर्शकों को बांधकर नहीं रख पाएगी तो लोग जल्दी बोर हो जाएंगे। दर्शक आज भी वही चाहते हैं जो पहले चाहते थे, यानी एक ऐसी कहानी जो उनके दिल को छू सके।'

राघव जुयाल और कोमल पावस्कर की नई जोड़ी है 'इकाई' की सबसे बड़ी खासियत

विकास बहल की आगामी रोमांटिक थ्रिलर 'इकाई' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है, और फिल्म की सबसे दिलचस्प बातों में से एक है राघव जुयाल और डेब्यू कर रही कोमल पावस्कर की ताज़ा ऑन-स्क्रीन जोड़ी।जहां फिल्म रोमांस और सस्पेंस का दिलचस्प मिश्रण पेश करने का वादा करती है, वहीं सूत्रों के मुताबिक राघव और कोमल के बीच की केमिस्ट्री इस प्रोजेक्ट का एक अहम आकर्षण बनकर सामने आई है। कहा जा रहा है कि उनकी जोड़ी कहानी में एक अलग ही भावनात्मक गहराई और ताज़गी जोड़ती है। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, ''इकाई' की सबसे बड़ी ताकतों में से एक राघव और कोमल के बीच का डायनामिक है। जहां राघव अपने अनप्रेडिक्टेबल और मैग्नेटिक अंदाज़ के साथ आते हैं, वहीं कोमल की सहज और नैचुरल मौजूदगी उन्हें स्क्रीन पर तुरंत आकर्षक बनाती है। ऐसे में दोनों मिलकर एक ऐसी केमिस्ट्री बनाते हैं, जो रॉ होने के साथ-साथ विश्वसनीय और ताज़गी से भरपूर है। 'सूत्र ने आगे यह भी कहा कि इस जोड़ी की एक खासियत यह भी है कि यह पारंपरिक नहीं लगती। जिस तरह से दोनों एक-दूसरे को पूरा करते हैं, उसमें एक भावनात्मक ईमानदारी है, और यह कहानी को एक अलग टेक्सचर देती है। यही वजह है कि उनकी परफॉर्मेंस के साथ उनका आपसी कनेक्शन फिल्म के सबसे बड़ी चर्चा का विषय बन गया है। अपनी अलग और दिलचस्प भूमिकाओं के जरिए अपने दर्शकों को अपने किरदारों से लगातार चौंकाते आ रहे राघव जुयाल के साथ अपनी पहली फिल्म इकाई' से डेब्यू कर रहीं कोमल पावस्कर भी सुर्खियों में आने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ऐसे में 'इकाई' एक ऐसी नई जोड़ी पेश करने जा रही है, जो ताज़गी और यादगार प्रभाव दोनों लेकर आ सकती है। फिलहाल जैसे-जैसे फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ रहा है, वैसे- वैसे इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि 'इकाई' एक नई और दिलचस्प ऑन-स्क्रीन जोड़ी की शुरुआत साबित हो सकती है, जो इंटेंसिटी, ताज़गी और केमिस्ट्री का अनोखा संगम पेश करेगी।

(साभार एजेंसी)

हार से दुखी ऋषभ पंत ने बोली बड़ी बात

मेरे पास कोई जवाब नहीं...

मुंबई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स (रूस्त) का आईपीएल 2026 में प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है. सोमवार 4 मई को खेले गए मैच में उन्हें मुंबई इंडियंस से भी हार का सामना करना पड़ा. जब लखनऊ के तेज गेंदबाज वानखेड़े की पिच पर 228 रन भी नहीं बचा पाए. ये इस सीजन रूस्त को लगातार छठी हार है और वो चार अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे बने हुए हैं। मैच के बाद कप्तान ऋषभ पंत के पास इस बात का कोई जवाब नहीं था कि उनकी टीम ने शानदार शुरुआत (छह ओवर में 90/1) करने के बावजूद अपनी लय कैसे खो दी. पंत ने माना कि जिस तरह से उन्होंने शुरुआत की थी, उसे देखते हुए वे लगभग 10-15 रन पीछे रह गए।

- **हम 10-15 रन पीछे रह गए** - पंत ने कहा, जिस तरह से हमने शुरुआत की थी, हमें निश्चित रूप से और रन बनाने चाहिए थे. उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की, वे इन परिस्थितियों के आदी थे. निश्चित रूप से, हम 10-15 रन पीछे रह गए पंत ने ये भी कहा, इस विकेट पर 228 रन का बचाव न कर पाने के लिए अपने गेंदबाजों को दोष नहीं देंगे ।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने क्या कहा?

- वहीं दूसरी ओर हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने इस जीत का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया. सूर्य ने कहा कि छह ओवर में 90/1 के स्कोर पर होने के बावजूद टीम में कोई घबराहट नहीं फैली, क्योंकि इस सीजन में पहले खेले गए मैचों में भी वे ऐसी ही परिस्थितियों का सामना कर चुके थे. उन्होंने मैच को वापस टीम के पक्ष में मोड़ने का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया।
- उन्होंने कहा कि मैच का रुख पलटने के लिए उन्हें गेंदबाजों को ज्यादा कुछ समझाने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि सभी गेंदबाजों के पास अपनी-अपनी योजनाएं पहले से ही तैयार थीं. सभी को यह विश्वास था, और प्लान भी साफ थे. बस थोड़ा-सा आक्रामक खेलना था. हालांकि हमने कुछ दिन पहले 244 रन बनाए थे, लेकिन एसआरएच ने उसे चेज कर लिया था।
- उन्होंने रोहित और रिकेल्टन की दी गई अच्छी शुरुआत का श्रेय भी दिया. सूर्य ने कहा, जब 220-225 रन चेज करने हों, तो अच्छी शुरुआत मिलना जरूरी होता है. वे हमेशा कंट्रोल में थे. आखिर में, जिस तरह नमन धीर और बाकी सभी ने बैटिंग की, वह बहुत बढ़िया था।

पूर्व तेज गेंदबाज अशोक डिंडा का पश्चिम बंगाल चुनाव में दिखा जलवा

16 हजार वोटों के अंतर से दर्ज की बड़ी जीत

कोलकाता (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज अशोक डिंडा ने एक बार फिर राजनीति में अपना जलवा दिखाया है। 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ते हुए, डिंडा ने मोयना विधानसभा सीट से शानदार जीत हासिल की. ??उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी, तृणमूल कांग्रेस के चंदन मंडल को हराया।

16 हजार वोटों से जीत

अशोक डिंडा ने कुल 1,27,166 वोट हासिल किए और उन्होंने 16,241 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की. दूसरी ओर, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार इस मुकाबले में पिछड़ गए और वापसी नहीं कर पाए. वहीं, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के उम्मीदवार स्वपन कुमार बर्मन तीसरे स्थान पर रहे।

लगातार दूसरी बार बने विधायक

42 वर्षीय अशोक डिंडा की मोयना विधानसभा सीट से यह लगातार दूसरी जीत है. 2021 के बंगाल विधानसभा चुनावों में, अशोक डिंडा ने तृणमूल कांग्रेस के संग्राम दोलुई को 1260 वोटों से हराया था. मुकाबला कड़ा था, लेकिन अंत में क्रिकेटर ही विजयी रहे।

अशोक डिंडा का क्रिकेट करियर

अशोक डिंडा ने भारत के लिए 13 वनडे और 9 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं. वनडे में उन्होंने 51.00 की औसत से 12 विकेट लिए हैं. जबकि टी20 इंटरनेशनल में, उन्होंने 14.41 की औसत से 17 विकेट लिए हैं. इसके अलावा, उन्होंने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 116 मैचों में 420 विकेट लिए हैं। वहीं आईपीएल में अशोक डिंडा ने कुल 78 मैच खेले हैं, जिसमें 30.04 की औसत से 69 विकेट लिए. डिंडा ने आईपीएल में केकेआर, डीसी, पीडब्ल्यूआई, आरसीबी और आरपीएस का प्रतिनिधित्व किया. क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, अशोक डिंडा फरवरी 2021 में भाजपा में शामिल हो गए, जिसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026

पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी बड़ी जीत दर्ज करने में सफल रही. 293 सीटों में से बीजेपी ने 206 सीटों पर जीत हासिल की जबकि टीएमसी को केवल 81 सीट ही मिली और दो सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार ने बाजी मारी. बता दें कि यहां बहुमत के लिए जादुई आंकड़ा 148 था।

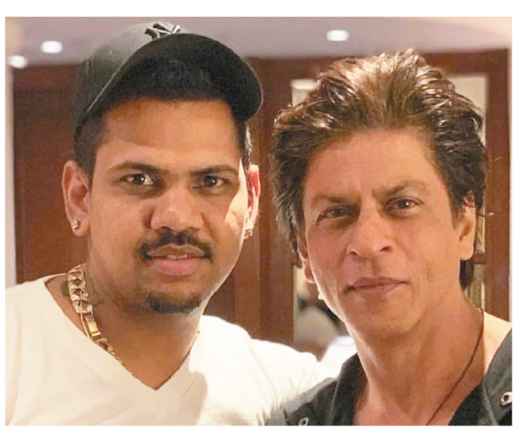

शाहरुख खान हुए भावुक 'तुम सच में एक जादूगर हो'

सुनील नरेन के लिए लिखा दिल छू लेने वाला पोस्ट

नई दिल्ली। शाहरुख खान फिर अपने अंदाज से प्रशंसकों का दिल जीतते नजर आए। शाहरुख खान ने कोलकाता नाइट राइडर्स के स्टार ऑलराउंडर सुनील नरेन के लिए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर की, जिसमें 15 साल के साथ, 200 से ज्यादा विकेट और कई यादगार पलों को याद किया। शाहरुख खान ने सुनील नरेन को 'जादूगर' बताते हुए उनके खेल ही नहीं, बल्कि टीम के साथ उनके रिश्ते की भी जमकर तारीफ की। इस पोस्ट में झलकता अपनापन यह दिखाता है कि कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए सुनील नरेन सिर्फ एक खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा भी हैं।

सुनील मेरे दोस्त... हम तुम्हे अपने परिवार जितना ही प्यार करतें

शाहरुख खान ने अपनी पोस्ट में लिखा, ''सुनील, मेरे दोस्त... 15 सीजन साथ खेलने के लिए धन्यवाद। 200 से ज्यादा विकेट, तीन आईपीएल खिताब और कोलकाता नाइट राइडर्स के दुनिया भर में कई यादगार पल...!!! तुम सच में एक जादूगर हो और हम तुम्हें अपने परिवार जितना ही प्यार करते हैं। आज तुम्हें दिल से एक बड़ी वाली झप्पी... और यह अपनापन हमेशा बना रहे।

- रोहित की वापसी होते ही ...

मुंबई की किस्मत पलटी

44 गेंद पर 84 रन बनाए, शर्माजी के छक्कों से रोमांचित दिखे दर्शक

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 47वें मैच में मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हरा दिया। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। लखनऊ सुपर जायंट्स ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 228 रन बनाए। निकोलस पूरन ने बेहतरीन अर्धशतक जड़ा। 300 के स्ट्राइक रेस से रन बनाए। मुंबई इंडियंस ने 18.4 ओवर में 4 विकेट पर 229 रन बना लिए। चोट से प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार रखीं। उसके छह अंक हो गए हैं।

- **लखनऊ सुपर जायंट्स की लगातार छठी हार**

लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए निकोलस पूरन ने 21 गेंद पर 63 रन बनाए। मिचेल मार्श ने 25 गेंद पर 44 रन बनाए। हिम्मत सिंह ने 31 गेंद पर नाबाद 40 और एडेन मार्करम ने 25 गेंद पर 31 रन बनाकर नाबाद रहे। ऋषभ पंत ने 15, जोश इंग्लिस ने 13 और अक्षत रघुवंशी ने 11 रन बनाए। मुंबई इंडियंस के लिए कॉर्बिन बॉश ने 2 विकेट लिए। एएम गजनफर, विल जैक्स

उबरने के बाद पांच मैच बाद वापसी करते हुए रोहित शर्मा ने शानदार पारी खेली और मुंबई इंडियंस को 14 दिन बाद जीत मिली। रयान रिकेल्टन ने भी बेहतरीन पारी खेली। इससे पहले 20 अप्रैल को गुजरात टाइटंस को हराया था। इसके बाद 3 मैच हारी थी। लखनऊ सुपर जायंट्स को लगातार छठी हार मिली। वह 9 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स से जीती थी। मुंबई इंडियंस ने इस जीत के साथ

और रघु शर्मा ने 1-1 विकेट लिए। मुंबई इंडियंस के लिए रोहित शर्मा ने 44 गेंद पर 84 रन बनाए। रयान रिकेल्टन ने 32 गेंद पर 83 रन बनाए। नमन धीर ने 12 गेंद नाबाद 23 और विल जैक्स ने 4 गेंद पर नाबाद 10 रन बनाए। तिलक वर्मा 11 और सूर्यकुमार यादव 12 रन बनाकर आउट हुए। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए मणिमारन सिद्धार्थ ने 2 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज और मोहसिन खान ने 1-1 विकेट लिए।

एमएस धोनी की जानकारी देने की मेरी हैसियत नहीं

CSK के कोच ने बताई अपनी 'मजबूरी

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने सोमवार (4 मई) को कहा कि महेंद्र सिंह धोनी टीम के साथ दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के लिए दिल्ली नहीं आए हैं। धोनी को लेकर जानकारी देने की हैसियत उनकी नहीं है। उन्होंने कहा कि धोनी ही जानते हैं कि वह कब खेलेंगे। हालांकि, वह पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। आईपीएल 2026 का आधे से ज्यादा सीजन हो चुका है और चेन्नई सुपर किंग्स 10वां मैच खेलने

वाली है, लेकिन अबतक धोनी नहीं खेले हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच से एक दिन पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एरिक सिमंस से पहला ही सवाल धोनी के खेलने को लेकर हुआ। उन्होंने कहा, 'महेंद्र सिंह धोनी को लेकर जानकारी देने की मेरी हैसियत नहीं है। वह हमारे साथ (दिल्ली में) नहीं है, लेकिन लगातार बेहतर हो रहे हैं। वह जब तैयार होंगे तब होंगे। वही जानते हैं कि वह खेलने के लिए कब तैयार होंगे।'

अंशुल कम्बोज की तारीफ की

गेंदबाजों के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए सिमंस ने अंशुल कम्बोज की खूब तारीफ की, जिन्होंने मैच के हर फेज में प्रभाव डाला है और 17 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने कहा, 'अंशुल काफी आगे बढ़ गए हैं। अंशुल ने इस सीजन में नहीं पिछले साल ही बेहतर करना शुरू किया था। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अलग-अलग एंगल पर काम किया और यॉर्कर को सटीक बनाया। हमने राउंड द विकेट शुरू किया है, जो अब कोई रहस्य नहीं है।

एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगी भारत की पुरुष और महिला अंडर-18 हॉकी टीमें

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की अंडर-18 पुरुष और महिला हॉकी टीमें एशिया कप की तैयारियों को मजबूत करने के लिए 15 से 20 मई के बीच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की सीरीज खेलेंगी। यह मुकाबले भोपाल में आयोजित होंगे, जहां दोनों टीमों ने हाल ही में भारतीय खेल प्राधिकरण के केंद्र में अभ्यास शिविर भी लगाया था। यह सीरीज खिलाड़ियों के लिए अपनी रणनीति और संयोजन को अंतिम रूप देने का बेहतरीन मौका मानी जा रही है।

एशिया कप से पहले बड़ी परीक्षा

यह सीरीज खास तौर पर इसलिए अहम है क्योंकि इस महीने के अंत में जापान के काकामिगाहारा में अंडर-18 एशिया कप शुरू होने जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा, जो टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन के लिए बेहद जरूरी साबित हो सकता है।

क्या बुमराह ब्रेक लेना चाहते हैं?

संजय बांगड़ और वेदा कृष्णमूर्ति का मुंबई इंडियंस को सुझाव

मुंबई (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह आईपीएल 2026 में लगातार चर्चा का विषय बने हुए हैं और ज्यादातर बातें इस बारे में रही हैं कि वह विकेट नहीं ले पा रहे, उनकी रफ्तार कम दिख रही है और मुंबई इंडियंस उन्हें सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर रही है। जबकि मुंबई कैंप के लोग यह कहते नजर आ रहे हैं कि बुमराह चुनौती के लिए तैयार हैं और जब विकेट लेने का समय आएगा, वह विकेट ले लेंगे।

सोमवार रात वानखेड़े में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ भी उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। यह इस सीजन का सातवां ऐसा मैच था, जब उन्हें कोई विकेट नहीं मिला और उन्होंने इस दौरान इस मैच में 45 रन दिए। टाइमआउट शो में संजय बांगड़ और वेदा कृष्णमूर्ति ने सुझाव दिया है कि मुंबई टीम प्रबंधन को बुमराह से बात करनी चाहिए और उनसे पूछना चाहिए कि क्या वह ब्रेक लेना चाहते हैं?

वेदा ने कहा, टीम प्रबंधन, कोच, कप्तान, उपकप्तान सूर्या (कुमार यादव) या फिर रोहित (शर्मा), ईमानदारी से बैठकर उनसे बात कर सकते हैं। उनसे पूछ सकते हैं 'क्या आप अंदर से 100 प्रतिशत फिट महसूस कर रहे हैं, 'क्या आप एक-दो मैच का ब्रेक लेना चाहते हैं। ताकि वह तरोताा होकर लौटें। उनसे यह पूछा जा सकता है और उम्मीद की जा सकती है कि वह ईमानदारी से जवाब देंगे। और अगर वह

कहते हैं 'नहीं, मैं खेलने के लिए तैयार हूं', तो शायद हम उनका बेहतर वर्जन देखेंगे, क्योंकि वह और ज्यादा मेहनत करेंगे। एक ईमानदार बातचीत जरूरी है, ताकि यह साफ हो सके कि उन्हें ब्रेक चाहिए या वह खेल सकते हैं।

इस सीजन बुमराह के साधारण प्रदर्शन के साथ मुंबई का खराब प्रदर्शन भी जुड़ा हुआ है। टीम 10 मैचों में तीन जीत के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। बांगड़ का मानना है कि मुंबई को बुमराह के बिना खेलने के लिए भी तैयार रहना चाहिए, भले ही इसका मतलब सीजन खराब जाना हो। बांगड़ ने कहा, यह इस पर भी निर्भर करता है कि कोच और टीम प्रबंधन क्या सोच रहे हैं। अगर मुंबई बुमराह के बिना खेलने के लिए तैयार है, अगर मुंबई नीचे के स्थान पर सीजन खत्म करने के लिए तैयार है, तो शायद बुमराह बाकी मैच न खेलने का फैसला ले सकते हैं।

सोमवार को बुमराह ने एलएसजी की पारी का दूसरा ओवर डाला और 10 रन दिए। लेकिन चौथा ओवर काफी घटनाओं से भरा रहा। ज्यादातर गेंदें शॉर्ट पिच थीं। तीसरी गेंद वाइड, जिस पर दो रन बने। अगली गेंद मिचेल मार्श ने लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्का मारा। फिर नो-बॉल, जिस पर चौका लगा। फ्री-हिट पर भी चौका। कुल आठ गेंदों में 21 रन। इसके बाद वह हटाए गए और 14वें ओवर में वापस आए।

भारत, जमैका कारोबार, कुशल पेशोवरों के आवागमन को बढ़ावा देने पर सहमत : जयशंकर

» **किंग्सटन, भाषा।**

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और जमैका व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने तथा स्वास्थ्यकर्मियों और शिक्षकों सहित कुशल पेशेवरों की भर्ती एवं दोनों देशों में उनके आवागमन को बढ़ावा देने के लिए सहयोग की संभावनाओं को तलाशने पर सहमत हुए हैं। जमैका की अपनी समकक्ष कामिना जे स्मिथ के साथ सोमवार को हुई बातचीत के बाद यहां संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि चर्चा व्यापक थी और इसमें द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की गई, साथ ही साझेदारी को गहरा करने के नए रास्ते भी तलाशे गए। उन्होंने कहा, हमने कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए और डिजिटल परिवर्तन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, खेल और डिजिटल भुगतान के क्षेत्रों में हाल में संपन्न हुए समझौता ज्ञापनों के प्रभावी कार्यान्वयन पर चर्चा की ताकि जमीनी स्तर पर ठोस परिणाम सुनिश्चित किए जा सकें। जयशंकर ने कहा कि भारत व्यापार और निवेश के लिए कैरेबियाई क्षेत्र के प्रवेश द्वार के रूप में और साजो सामान केंद्र के रूप में जमैका की बढ़ती भूमिका को मान्यता देता है।

उन्होंने कहा, हम व्यापार, व्यवसाय और निवेश संबंधों को और मजबूत करने, नर्सों, स्वास्थ्यकर्मियों और शिक्षकों सहित कुशल पेशेवरों की भर्ती और आवागमन के लिए सहयोग के अवसरों की संभावनाओं का पता लगाने पर सहमत हुए हैं। मंत्री ने बताया कि दोनों पक्षों ने रक्षा और सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, डिजिटलीकरण, कृषि, शिक्षा एवं बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की। विकास के क्षेत्र में सहयोग को संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बताते हुए जयशंकर ने मार्च 2026 में किटसन टाउन में ग्रामीण आजीविका सुधार परियोजना के सफलतापूर्वक पूरा होने का जिक्र किया, जिसे भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष के तहत 10 लाख अमेरिकी डॉलर की भारतीय सहायता से क्रियान्वित किया गया था। इससे 200 से अधिक व्यक्तियों को लाभ हुआ और हजारों अन्य लोग प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि जमैका में कारीगर सशक्तिकरण केंद्र स्थापित करने की संभावना पर भी भारत चर्चा कर रहा है और उन्होंने तूफान मेलिसा के बाद देश को इससे उबरने में अपना समर्थन दोहराया। मानवीय सहायता के तहत भारत ने राहत सामग्री की आपूर्ति की है, एक चिकित्सा दल तैनात किया है और 30 डायलिसिस यूनिट उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में है।

जयशंकर ने जमैका की अपनी समकक्ष से बात की, मजबूत आर्थिक संबंधों का आह्वान किया

किंग्सटन, भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमैका की अपनी समकक्ष कामिना जे स्मिथ और वरिष्ठ मंत्रियों के साथ व्यापक चर्चा की। वार्ता के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की गई और दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक संबंधों का आह्वान किया गया। भारत के रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को कैरेबियन देशों के साथ और मजबूत करने के उद्देश्य से जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के अपने नौ दिवसीय तीन राष्ट्रों के दौरे के पहले चरण के तहत जयशंकर शनिवार को जमैका की राजधानी किंग्स्टन पहुंचे। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा कि उन्होंने सोमवार को विदेश मंत्री स्मिथ और कैबिनेट के अन्य सदस्यों से मुलाकात कर भारत-जमैका साझेदारी की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा, शिक्षा और स्वास्थ्य, कृषि एवं डिजिटल, पर्यटन, खेल और मनोरंजन, बुनियादी ढांचा, दक्षता विकास और बहुपक्षीय मुद्दों में अपने संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। जयशंकर ने एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, वार्ता के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि हम सभी विविधता पर जोर दे रहे हैं और विश्वसनीय साझेदारों की तलाश कर रहे हैं, ऐसे में भारत-जमैका व्यापार संबंधों को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता बढ़ जाती है।

होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने का अमेरिकी प्रयास ईरान के साथ नाजुक युद्धविराम के लिए परीक्षा

» **दुबई, भाषा।**

ईरान के साथ युद्ध फिर से भड़कने का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि अमेरिका ने वाणिज्यिक जहाजों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को जबरन खोलने की कोशिश की है। हालांकि, मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात द्वारा ईरान पर मिसाइल और ड्रोन से हमले करने का आरोप लगाने के बावजूद युद्धविराम बरकरार दिखा। ईरान के जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को समाप्त करने के लिए उन्नत सुरक्षा क्षेत्र बनाने के अमेरिकी प्रयास के बाद क्या होगा, यह स्पष्ट नहीं है। एक प्रमुख ईरानी अधिकारी ने अमेरिका पर इस प्रयास के जरिए क्षेत्रीय सुरक्षा को कमजोर करने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि ईरान जवाबी कार्रवाई करेगा।

अमेरिका की सेना ने कहा कि सोमवार को अमेरिकी ध्वज वाले दो व्यापारिक जहाज सफलतापूर्वक जलडमरूमध्य से गुजर गए, लेकिन यह देखना बाकी है कि मंगलवार को और जहाज गुजरेंगे या नहीं। जहाज ट्रैकिंग डेटा से पता चला कि फारस की खाड़ी में लंगर डालने के बाद मंगलवार सुबह पनामा के ध्वज वाला एक तेल टैंकर जलडमरूमध्य के केंद्र की ओर बढ़ रहा था, हालांकि यह स्पष्ट नहीं था कि वह गुजरने की कोशिश करेगा या नहीं। समुद्री यातायात और जहाज की जानकारी देने वाली वेबसाइट के अनुसार, टैंकर का गंतव्य सिंगापुर था। ईरान द्वारा जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद करने से ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था हिल गई है। विश्व के करीब 20 फीसदी तेल और प्राकृतिक गैस का कारोबार होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए होता है और यह मार्ग उर्वरक और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के कारोबार के लिए भी अहम है। ईरान के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य युद्ध समाप्त करने के लिए जारी वार्ता में एक बड़ा रणनीतिक लाभ साबित हुआ है। लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के अवरोध को तोड़ने से वैश्विक आर्थिक चिंताओं में कमी आएगी और तेहरान को एक प्रमुख लाभप्रद स्थिति से वंचित किया जा सकेगा। लेकिन ऐसे प्रयासों से उस व्यापक युद्ध के फिर से भड़कने का भी खतरा है जो 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले के बाद शुरू हुआ था, जिसके कारण ईरान को जलडमरूमध्य बंद करना पड़ा था। ईरान ने कहा है कि अमेरिका का यह नया प्रयास तीन सप्ताह से अधिक समय से कायम नाजुक युद्धविराम का उल्लंघन है। मंगलवार को एक पोस्ट में ईरान की संसद के अध्यक्ष और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बगेर कलिबफ ने अमेरिका पर होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजरानी सुरक्षा को कमजोर करने का आरोप लगाया। कलिबफ ने चेतावनी दी कि जलडमरूमध्य में एक नया समीकरण आकार ले रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि तेहरान ने अभी तक जलमार्ग को फिर से खोलने के अमेरिकी प्रयास पर पूरी तरह से प्रतिक्रिया नहीं दी है और कहा, हम भली-भांति जानते हैं कि यथास्थिति का जारी रहना अमेरिका के लिए असहनीय है।

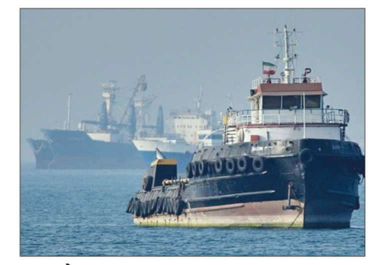

रामास्वामी ओहायो के गवर्नर पद के लिए चुनाव अभियान पर ध्यान केन्द्रित करेंगे

कोलंबस (अमेरिका), भाषा। रिपब्लिकन पार्टी के नेता विवेक रामास्वामी ने अब प्राइमरी से हटकर ओहायो के गवर्नर पद के लिए चुनाव प्रचार अभियान पर पूरा ध्यान केंद्रित किया है। नवंबर में होने वाले इस आम चुनाव में बायोटेक उद्यमी का पूर्व राज्य स्वास्थ्य निदेशक डॉ. एमी एक्टन से मुकाबला होगा। रामास्वामी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त है। यह चुनाव ओहायो में पिछले चार वर्षों में तीसरी बार होने वाली अमेरिकी सीनेट की प्रतिस्पर्धी दौड़ के साथ-साथ अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की कुछ सीट के लिए भी मंच तैयार करेगा जिसमें उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर होने की उम्मीद है। कार्यकाल समाप्ति की सीमा के कारण इस वर्ष राज्य के सभी कार्यकारी पद खाली हैं, लेकिन गवर्नर पद की दौड़ ने सबसे अधिक ध्यान आकर्षित किया है। रामास्वामी 2024 में रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के लिए प्राइमरी उम्मीदवार भी रह चुके हैं। पिछले साल की शुरुआत में वह राज्य की राजनीति में तेजी से उभरे जब राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे थे। उस समय तत्कालीन सीनेटर जे.डी. वेंस उपराष्ट्रपति पद तक पहुंच रहे थे और गवर्नर पद के प्रमुख दावेदार जॉन हस्टेड को वाशिंगटन में उनकी जगह नियुक्त किया जा रहा था। रामास्वामी राज्य की राजनीति में नए हैं, लेकिन उनकी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान, तकनीकी उद्योग से संबंध और राष्ट्रपति ट्रंप से करीबी संबंधों के चलते उन्हें ओहायो रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन मिल गया। इसके साथ ही उन्होंने मौजूदा राज्य अटॉर्नी जनरल, राज्य कोषाध्यक्ष और लेफ्टिनेंट गवर्नर सहित संभावित उम्मीदवारों को पीछे छोड़ दिया।

भारतीय राजदूत क्वात्रा ने की पेंसिल्वेनिया के गवर्नर से मुलाकात की

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो से मुलाकात की तथा आर्थिक और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में संबंधों को और मजबूत बनाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। सोमवार को हैरिसबर्ग में हुई इस बैठक के बाद गवर्नर शापिरो ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि हम मिलकर और निवेश आकर्षित करने, प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और पेंसिल्वेनिया तथा भारत के लोगों के लिए अच्छी आय वाले रोजगार के अवसर पैदा करने का काम जारी रखेंगे। वहीं भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि क्वात्रा ने गवर्नर शापिरो को तेजी से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था में बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्षेत्र और विनिर्माण में हो रहे बड़े बदलावों से अवगत कराया। इसके साथ ही क्वात्रा ने पेंसिल्वेनिया में रहने वाले भारतीय-अमेरिकी समुदाय का, गवर्नर के मजबूत समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में एक प्रमुख धर्मगुरु की गोली मारकर हत्या

» **पेशावर, भाषा।**

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को लक्षित हमले में एक प्रमुख धर्मगुरु की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अज्ञात बंदूकधारियों ने चारसद्दा जिले के उस्मानज़ई इलाके में शेख-उल-हदीस मौलाना मोहम्मद इदरीस के वाहन पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें उनके साथ मौजूद दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। इदरीस को पाकिस्तान के वरिष्ठ और सम्मानित धार्मिक विद्वानों में गिना जाता था। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने धर्मगुरु पर उस समय गोली चलाई, जब वह दारुल उलूम उस्मानज़ई में दर्स-ए-हदीस (धार्मिक प्रवचन) देने जा रहे थे। उन्हें गंभीर चोटें आईं और जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई।

बाद में शव को चारसद्दा जिला स्थित उनके पैतृक गांव तुरंगज़ई ले जाया गया। उनकी मौत की खबर सुनकर बड़ी संख्या में अनुयाई अस्पताल में जमा हो गए। इस हत्या के बाद इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, जिसमें सैकड़ों प्रदर्शनकारी चारसद्दा शहर की ओर मार्च करते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे। प्रदर्शनकारियों ने फारूक-ए-आजम चौक पर धरना भी दिया। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) जुल्फिकार हमीद ने मरदान के क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी से एक रिपोर्ट मांगी है, जिसमें अधिकारियों को अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने हमले की निंदा की और पुलिस अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी।

श्रीलंका के नेताओं ने तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में विजय की जीत पर उन्हें बधाई दी

» **कोलंबो, भाषा।**

श्रीलंका के नेताओं ने अभिनेता से राजनेता बने विजय को उनके नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पार्टी की तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक जीत के लिए मंगलवार को बधाई दी। विजय के नेतृत्व वाली टीवीके पार्टी ने सोमवार को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में प्रभावशाली 108 सीट जीतकर चुनावी इतिहास में एक अलग रिकॉर्ड बनाया। श्रीलंका के तमिल बहुल उत्तरी प्रांत में जश्न का माहौल था और यहां युवाओं ने अभिनेता की जीत का स्वागत किया। विपक्षी श्रीलंका पोदुजना पेरामुना के राष्ट्रीय आयोजक और सांसद नमाल राजपक्षे ने विजय को बधाई दी।

उन्होंने कहा, विजय को शानदार जीत पर बधाई। असली काम अब शुरू होता है और मैं कामना करता हूं कि आपको तथा आपकी टीम को आगे आने वाली चुनौतियों से पार पाने और लोगों को सार्थक लाभ पहुंचाने के लिए शक्ति और दृढ़ संकल्प मिले। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों में सुधार की उम्मीद भी जताई। बट्टिकलोआ जिले के सांसद शनाकियान रसमानिकम ने भी विजय को उनकी ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी। उन्होंने संसद में कहा, जोसेफ विजय को ऐतिहासिक जीत पर हार्दिक बधाई। श्रीलंका की प्रमुख तमिल राजनीतिक पार्टी के रूप में हम तमिलनाडु सरकार और वहां की जनता के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।

पाकिस्तानी नौसेना ने अरब सागर में फंसे भारतीय पोत के चालक दल की मदद की

» **इस्लामाबाद, भाषा।**

पाकिस्तानी नौसेना ने अरब सागर में फंसे एक भारतीय पोत के चालक दल को मानवीय सहायता प्रदान की। एक मीडिया खबर में यह जानकारी दी गई। समाचारपत्र डॉन ने सोमवार को प्रकाशित अपनी एक खबर में सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया गया कि बचाव और सहायता अभियान में नौसेना की सहायता पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी (पीएमएसए) ने की। खबर में कहा गया कि मुंबई स्थित समुद्री बचाव एवं समन्वय केंद्र ने पाकिस्तानी प्राधिकारियों से संपर्क कर सहायता का अनुरोध किया था जिसके बाद चालक दल की सहायता के लिए अभियान शुरू किया गया।

इस चालक दल में छह भारतीय और एक इंडोनेशियाई नागरिक शामिल थे। सूत्रों ने बताया कि ओमान से भारत जा रहे एम.वी. गौतम नामक पोत के चालक दल ने तकनीकी खराबी की सूचना दी। खबर में कहा गया है कि फंसे हुए चालक दल को भोजन, चिकित्सा और तकनीकी सहित आपात सहायता प्रदान की गई। पिछले महीने अरब सागर में संकट के संबंध में सूचना मिलने के बाद पाकिस्तानी नौसेना ने एक व्यापारिक पोत से विदेशी नागरिकों सहित चालक दल के 18 सदस्यों को बचाया था।

चीन के हुनान प्रांत में पटाखा कारखाने में विस्फोट में 21 लोगों की मौत, 61 घायल

बीजिंग, भाषा। चीन के हुनान प्रांत के लियुयांग शहर में पटाखा कारखाने में विस्फोट में 21 लोग मारे गए और 61 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह विस्फोट सोमवार दोपहर को हुनान प्रांत की राजधानी चांगशा के शहर लियुयांग में हुआशेंग फायरवर्क्स मैन्युफैक्चरिंग एंड डिसप्ले कंपनी के कारखाने में हुआ। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में कई किलोमीटर तक तबाही का मंजर दिखा। राहत अभियान के लिए पांच दलों में 480 से अधिक बचावकर्मियों को तैनात किया गया है और तीन रोबोट को भी लगाया गया है। बचाव अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई और 61 अन्य घायल हुए। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि दूसरे दौर का तलाश अभियान अभी जारी है। चीन दुनिया के प्रमुख पटाखा निर्माता और निर्यातक देशों में से एक है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर अनुसार, घटनास्थल के पास दो बारूद गोदाम होने के मद्देनजर बचावकर्मियों ने आसपास के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया और इलाके की घेराबंदी कर ली। आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी के लिए अपने विशेषज्ञ घटनास्थल पर भेज दिए हैं।

पाकिस्तान की ओर से किए गए सीमा पार हमले में तीन लोगों की मौत : अफगानिस्तान

» **काबुल, भाषा।**

अफगानिस्तान ने कहा कि पाकिस्तान ने सोमवार को सीमा पार से उसके रिहायशी इलाकों में हमला किया जिसमें उसके कम से कम तीन नागरिक मारे गए और 14 अन्य घायल हो गए। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब शांति वार्ता के बावजूद दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव बना हुआ है। अफगान सरकार के उप-प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि इन हमलों में अफगान के कुनार प्रांत में दो स्कूल, दो मस्जिद और एक स्वास्थ्य केंद्र भी क्षतिग्रस्त हो गए।

वहीं पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि फितरत के आरोप अफगान क्षेत्र से पाकिस्तान में हाल ही में हुई सीमा-पार गोलीबारी के बाद सामने आए हैं। मार्च और अप्रैल में हुए उन हमलों में उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में नौ महिलाओं और बच्चों की मौत हो गई। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने यह भी कहा कि बाजौर में हुए हमलों ने अफगान सरकार की शर्मनाक हरकत को उजागर कर दिया है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच कई माह से तनाव जारी है और दोनों ने एक दूसरे पर कई बार हमले भी किए हैं। दरअसल पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान उस पर हमले करने वाले आतंकवादियों को पनाह देता है, विशेष रूप से पाकिस्तानी तालिबान को, जिसे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान या टीटीपी के नाम से जाना जाता है। हालांकि अफगानिस्तान इस आरोप का खंडन करता है। टीटीपी अफगान तालिबान से अलग है, लेकिन उसका सहयोगी है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज ने यूएई पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की निंदा की

इस्लामाबाद, भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में नागरिक बुनियादी ढांचे पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की मंगलवार को कड़ी निंदा की। यूएई ने सोमवार को कहा कि ईरान ने उसके महत्वपूर्ण ऊर्जा केंद्र फुजैराह समेत कई स्थानों पर हमले किए जिनमें तीन भारतीय घायल हो गए। प्रधानमंत्री शहबाज ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पाकिस्तान यूएई में कल रात हुए नागरिक बुनियादी ढांचे पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की कड़ी निंदा करता है। मैं मोहम्मद बिन जायद के साथ पूरी एकजुटता व्यक्त करता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान इस कठिन समय में अपने अमीराती भाइयों और बहनों के साथ-साथ यूएई सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि युद्धविराम का पालन और सम्मान करना आवश्यक है, ताकि क्षेत्र में स्थाई शांति और स्थिरता लाने के लिए संवाद को लेकर आवश्यक कूटनीतिक अवसर मिल सके।

ईरान के मिसाइल, ड्रोन हमले का जवाब दे रही है हमारी वायु रक्षा प्रणाली : यूएई

दुबई, भाषा। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कहा है कि वह ईरान की ओर से किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमले का प्रभावी रूप से जवाब दे रहा है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार देर रात एक्स पर पोस्ट में हमले की जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि खाड़ी के कुछ हिस्सों में सुनाई देने वाली आवाजें बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और ड्रोनों को रोकने से संबंधित हैं। इससे पहले यूएई ने कहा था कि सोमवार को ईरान ने उस पर हमला किया, क्योंकि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की दिशा में कदम बढ़ाया था।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने एक बड़े हमले को नाकाम करते हुए आतंकवादी को मार गिराया

पेशावर, भाषा। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में विस्फोटक से लदा वाहन लेकर जांच चौकी की ओर बढ़ रहे एक संदिग्ध आतंकवादी को मार गिराया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पास की एक इमारत से टकराने के बाद वाहन में एक विस्फोट हुआ और सात लोग घायल हो गए। इस विस्फोट से नजदीक स्थित एक पेट्रोल पंप, एक मदरसा और कई दुकानें तथा घर प्रभावित हुए। पुलिस ने बताया कि घायल हुए सभी सात लोग आम नागरिक थे, जिन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया और अब वे खतरे से बाहर हैं। यह घटना सोमवार देर रात अफगानिस्तान की सीमा से लगे दक्षिण वजीरिस्तान जिले में घटी। पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध आतंकवादी यहां सुरक्षा चौकी पर विस्फोटक से भरे वाहन के जरिए हमला करने वाला था, लेकिन चौकी पर तैनात सैनिकों ने हमला करने से पहले ही चालक को ढेर कर दिया। सुरक्षा बलों ने बाद में इलाके की घेराबंदी की। खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवाद, हिंसा, अफगानिस्तान से लड़ाकों की सीमा-पार आवाजाही और बार-बार होने वाले सैन्य अभियानों के कारण वर्षों से अशांति बनी हुई है। इस घटना की जिम्मेदारी किसी विशेष समूह ने नहीं ली है। लेकिन, अतीत में पाकिस्तान सरकार ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान पर क्षेत्र में हिंसा फैलाने का आरोप लगाया है।

रूस ने यूक्रेन के मध्य पोल्टावा और उत्तरपूर्वी खार्किव क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस उत्पादन सुविधाओं को निशाना बनाया

जेलेंस्की ने यूक्रेन में हमलों में पांच लोगों की मौत के बाद रूस की निंदा की

» **कीव, भाषा।**

यूक्रेन के बिजली ग्रिड को रात के दौरान निशाना बनाकर किए गए रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों में कम से कम पांच लोग मारे गए और 39 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस द्वारा इस सप्ताह के अंत में दो दिनों के लिए एकतरफा युद्धविराम की घोषणा के बाद हमले शुरू करना अत्यंत निंदनीय है। जेलेंस्की ने एक्स पर पोस्ट किया, रूस किसी भी क्षण युद्धविराम कर सकता है और इससे युद्ध और हमारी प्रतिक्रियाएं रुक जाएंगी। शांति की आवश्यकता है और इसे हासिल करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। यूक्रेन भी उसी तरह कार्रवाई करेगा।

यह युद्धविराम प्रस्ताव रूस द्वारा युद्ध के दौरान विभिन्न छुट्टियों हाल ही में ऑर्थोडॉक्स ईस्टर के अवसर पर किए गए अल्पकालिक एकतरफा युद्धविरामों की घोषणाओं के एक परिचित स्वरूप के अनुरूप है, जिनका मॉस्को और कीव के बीच गहरे अविश्वास के चलते कोई ठोस परिणाम प्राप्त नहीं होना है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार और शनिवार के लिए यूक्रेन में एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की लेकिन कहा कि अगर यूक्रेन विजय दिवस के उत्सवों में बाधा डालने की कोशिश करता है तो वह जवाबी कार्रवाई करेगा। यह विजय दिवस रूस हर साल 9 मई को मनाता है। जेलेंस्की ने जवाब में कहा कि यूक्रेन बुधवार को रात 12 बजे से युद्धविराम का पालन करेगा और उस समय से रूस की कार्रवाई का उसी तरह जवाब देगा। उन्होंने युद्धविराम की समाप्ति तिथि नहीं बताई। यूक्रेनी वायुसेना ने बताया कि रूसी सेना ने सोमवार से मंगलवार की रात के दौरान यूक्रेन पर 11 इस्कंदर-एम बैलिस्टिक मिसाइल और 164 ड्रोन दागे, जिनमें जेट-चालित शाहेद ड्रोन का एक प्रकार भी शामिल था। वायुसेना ने बताया कि वायु रक्षा इकाइयों ने 149 ड्रोन और एक मिसाइल को रोक दिया लेकिन अन्य ड्रोन लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रहे। वायुसेना ने विस्तार से बताए बिना कहा कि दो बैलिस्टिक मिसाइलें अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाईं। 24 फरवरी, 2022 को शुरू हुए युद्ध के दौरान रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर बार-बार हमले किए हैं। सरकारी ऊर्जा कंपनी नाफ्टोगाज़ ग्रुप ने बताया कि रूस ने यूक्रेन के मध्य पोल्टावा और उत्तरपूर्वी खार्किव क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस उत्पादन सुविधाओं को निशाना बनाया। कंपनी ने बताया कि साल की शुरुआत से नाफ्टोगाज़ इकाइयों पर 107 बार हमले हो चुके हैं। जेलेंस्की ने कहा कि पोल्टावा पर हुआ हमला विशेष रूप से घृणित था, क्योंकि जब आपातकालीन बचावकर्मी घटनास्थल पर काम कर रहे थे तब रूस ने उसी लक्ष्य पर दूसरी मिसाइल दागी। यूक्रेनी प्रधानमंत्री यूलिया स्विरिडेन्को ने कहा कि रूस के मुख्य लक्ष्य ऊर्जा ढांचा, तेल और गैस बुनियादी ढांचा, रेलवे और औद्योगिक स्थल थे। हालांकि हमलों से घरों, व्यवसायों और परिवहन नेटवर्क को भी नुकसान पहुंचा। स्विरिडेन्को ने कहा कि रूस के युद्धविराम प्रस्ताव केवल बयान बनकर रह गए हैं। यूक्रेन ने भी रूसी सीमावर्ती क्षेत्रों पर अपने लंबी दूरी के हमलों की गति जारी रखी, जाहिर तौर पर अधिक तेल इकाइयों को निशाना बनाते हुए। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसकी सेनाओं ने रात भर में रूस के 18 क्षेत्रों में 289 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए। मंत्रालय ने यह भी बताया कि कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप (जिसे रूस ने 2014 में यूक्रेन से छीन लिया था) और आजोव सागर के ऊपर भी ड्रोनों को रोका गया। क्षेत्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मॉस्को के पूर्व में स्थित और यूक्रेनी सीमा से 900 किलोमीटर से अधिक दूर चेबोकसारी शहर में यूक्रेनी ड्रोन हमले में तीन लोग घायल हो गए। स्थानीय गवर्नर अलेक्सांद्र द्रोजदेन्को ने बताया कि यूक्रेनी ड्रोन ने सेंट पीटर्सबर्ग के पास लेनिनग्राद क्षेत्र में किरीशी तेल रिफाइनरी पर भी हमला किया जिससे शहर के औद्योगिक क्षेत्र में आग लग गई। द्रोजदेन्को ने सोशल मीडिया पर बताया कि हमले के दौरान 29 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए गए और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com